दैनिक

साकार भारत

रायपुर-आरएनआई रजि. CHHBIL/2023/88684

वर्ष : 3 अंक : 197 पृष्ठ : 8 मुल्यः 1:00 रायपुर, गुरुवार 30 जुलाई, 2026 www.sakarbharat.com

Vastu Guruji

वास्तु हेतु संपर्क करें...

मो.नं. 9074110000 9770888888

नक्सलवाद के विरुद्ध निर्णायक विजय में पुलिस जवानों के अदम्य साहस और बलिदान को बताया ऐतिहासिक

पुलिस का जज़्बा ही सुरक्षित, शांत और विकसित छत्तीसगढ़ की सबसे बड़ी ताकत : मुख्यमंत्री साय

रायपुर। पुलिस का जज़्बा ही सुरक्षित, शांत और विकसित छत्तीसगढ़ की सबसे बड़ी ताकत : मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय पुलिस का जज़्बा ही सुरक्षित, शांत और विकसित छत्तीसगढ़ की सबसे बड़ी ताकत : मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव सायरायपुर : पुलिस का जज़्बा ही सुरक्षित, शांत और विकसित छत्तीसगढ़ की सबसे बड़ी ताकत : मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव सायपुलिस केवल कानून-व्यवस्था बनाए रखने वाली संस्था नहीं, बल्कि समाज में सुरक्षा, विश्वास और सुशासन की सबसे मजबूत आधारशिला है। पुलिसकर्मी अपने परिवार से दूर रहकर, हर मौसम और हर चुनौती के बीच दिन-रात जनता की सुरक्षा के लिए समर्पित रहते हैं। उनके त्याग, साहस और कर्तव्यनिष्ठा के कारण ही आम नागरिक अपने घरों में निश्चिंत होकर जीवन जी पाते हैं। ऐसे समर्पित पुलिस अधिकारियों और कर्मचारियों का सम्मान पूरे समाज का सम्मान है।

मुख्यमंत्री साय आज राजधानी रायपुर के शांति नगर स्थित एक निजी सभागार में आयोजित 'जज़्बा पुलिस अवार्ड्स-2026' कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। इस अवसर पर उन्होंने पुलिसिंग के विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्ट कार्य करने वाले अधिकारियों एवं कर्मचारियों को सम्मानित किया और उन्हें बधाई देते हुए कहा कि यह सम्मान केवल व्यक्तिगत उपलब्धि नहीं, बल्कि पूरे पुलिस बल के मनोबल और सेवा भावना का सम्मान है।

मुख्यमंत्री साय ने कहा कि उन्हें छत्तीसगढ़ के साहसी, अनुशासित और कर्तव्यनिष्ठ पुलिसकर्मियों के बीच उपस्थित होकर विशेष आत्मीयता और गर्व का अनुभव हो रहा है। उन्होंने कहा कि पुलिस की वर्दी केवल अधिकार का प्रतीक नहीं, बल्कि त्याग, अनुशासन, सेवा और राष्ट्रभक्ति का प्रतीक है। कठिन से कठिन परिस्थितियों में भी

पुलिसकर्मी अपने कर्तव्य का निर्वहन जिस निष्ठा से करते हैं, वह समाज के लिए प्रेरणा का विषय है।

मुख्यमंत्री साय ने इस अवसर पर कॉमनवेल्थ गेम्स-2026 में महिलाओं की 53 किलोग्राम वेटलिफ्टिंग स्पर्धा में रजत पदक जीतने वाली छत्तीसगढ़ पुलिस की सहायक उप निरीक्षक ज्ञानेश्वरी यादव का विशेष उल्लेख किया। उन्होंने कहा कि ज्ञानेश्वरी ने 199 किलोग्राम भार उठाकर न केवल देश और प्रदेश का गौरव बढ़ाया है, बल्कि यह सिद्ध किया है कि पुलिस बल के जवान सेवा के साथ-साथ खेलों में भी उत्कृष्ट प्रदर्शन कर सकते हैं। उनकी उपलब्धि पूरे प्रदेश के युवाओं, विशेषकर बेटियों के लिए प्रेरणा का स्रोत है।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि वर्षों तक नक्सलवाद ने बस्तर के विकास की गति को बाधित किया। प्राकृतिक सौंदर्य, खनिज संपदा और समृद्ध जनजातीय संस्कृति से परिपूर्ण यह क्षेत्र हिंसा और भय के कारण अपनी वास्तविक क्षमता के अनुरूप आगे नहीं बढ़ पा रहा था। आज बस्तर विकास, विश्वास और परिवर्तन के नए युग में प्रवेश कर चुका है। यह परिवर्तन प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के दूरदर्शी नेतृत्व, केंद्रीय गृहमंत्री श्री अमित शाह की दृढ़ रणनीति तथा राज्य पुलिस और सुरक्षा बलों के अदम्य साहस का परिणाम है। उन्होंने कहा कि नक्सलवाद के विरुद्ध लड़ाई लोकतंत्र, विकास और मानवता की रक्षा का अभियान था। हमारे वीर जवानों ने अपने प्राणों की परवाह किए बिना कठिन जंगलों में अभियान चलाया और प्रदेश को भयमुक्त बनाने का कार्य किया। यह विजय आने वाली पीढ़ियों के लिए प्रेरणा का अध्याय बनेगी।

घायल जवानों के जज़्बे ने दिलाया आत्मविश्वास

मुख्यमंत्री साय ने अपने अनुभव साझा करते हुए कहा कि उन्हें कई बार अस्पतालों में नक्सल मोर्चे पर घायल पुलिस जवानों से मिलने का अवसर मिला। गंभीर रूप से घायल होने के बावजूद उनके चेहरे पर निराशा नहीं, बल्कि देश और प्रदेश की सेवा का अदम्य संकल्प दिखाई देता था। वे कहते थे कि स्वस्थ होते ही फिर से मोर्चे पर लौटेंगे और नक्सलवाद के विरुद्ध लड़ाई को आगे बढ़ाएंगे। मुख्यमंत्री ने कहा कि यही अदम्य जज़्बा आज छत्तीसगढ़ की सबसे बड़ी शक्ति बनकर सामने आया और इसी के परिणामस्वरूप प्रदेश नक्सलवाद के अभिशाप से मुक्त होने की दिशा में निर्णायक सफलता प्राप्त कर सका।

SHORT NEWS

विश्व मंच पर छत्तीसगढ़ की बेटी का दमदार प्रदर्शन, मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने वीडियो कॉल पर दी बधाई

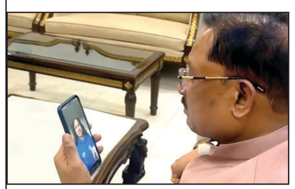

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने आज कॉमनवेल्थ गेम्स-2026 में महिलाओं की 53 किलोग्राम वेटलिफ्टिंग स्पर्धा में रजत पदक जीतकर देश और छत्तीसगढ़ का गौरव बढ़ाने वाली राजनांदगांव निवासी एवं छत्तीसगढ़ पुलिस में सहायक उप निरीक्षक ज्ञानेश्वरी यादव से वीडियो कॉल के माध्यम से आत्मीय बातचीत कर उन्हें इस ऐतिहासिक उपलब्धि पर हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दीं। मुख्यमंत्री साय ने ज्ञानेश्वरी यादव को रजत पदक जीतने पर पुन: बधाई देते हुए कहा कि यह सफलता वर्षों की कठिन साधना और निरंतर परिश्रम का परिणाम है। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि ज्ञानेश्वरी

मंत्री लखनलाल देवांगन ने किया विद्यार्थियों का आत्मीय स्वागत

रायपुर। उद्योग, वाणिज्य, श्रम, आबकारी एवं सार्वजनिक उपक्रम विभाग के मंत्री लखनलाल देवांगन आज कोरबा के पीएम श्री सेजस, स्वामी आत्मानंद उत्कृष्ट अंग्रेजी माध्यम विद्यालय, बालको में आयोजित शाला प्रवेशोत्सव कार्यक्रम में शामिल हुए। इस अवसर पर उन्होंने नवप्रवेशी विद्यार्थियों का माथे पर तिलक लगाकर एवं मुंह मीठा कर आत्मीय स्वागत किया। साथ ही विद्यार्थियों को नि:शुल्क पाठ्य पुस्तकें एवं साइकिल वितरित कर उनके उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं दीं।

यदि किसी ने भी सीमा लांघी है तो उसके खिलाफ कार्रवाई होनी चाहिएःसुप्रीम कोर्ट

नई दिल्ली। मुख्य न्यायाधीश न्यायमूर्ति सूर्यकांत की अध्यक्षता वाली पीठ ने बेहद स्पष्ट शब्दों में कहा कि यदि किसी ने भी सीमा लांघी है तो उसके खिलाफ कार्रवाई होनी चाहिए। अदालत ने यह भी दो टूक कहा कि केवल इसलिए लाठीचार्ज को उचित नहीं ठहराया जा सकता क्योंकि कहीं प्रदर्शन हो रहा था।

20 जुलाई को छात्र संगठनों द्वारा आयोजित 'चलो संसद' मार्च के बाद देशभर में जिस तरह पुलिस कार्रवाई, बल प्रयोग और हिंसा के आरोपों ने राजनीतिक माहौल को गर्माया, अब वह केवल कानून-व्यवस्था का मामला नहीं रह गया है। यह लोकतंत्र, नागरिक अधिकारों और राज्य की जवाबदेही की ऐसी परीक्षा बन चुका है, जिसमें सुप्रीम कोर्ट ने स्पष्ट कर दिया है कि किसी भी पक्ष को कानून अपने हाथ में लेने की छूट नहीं दी जा सकती। अदालत का ताजा रुख इस पूरे विवाद का सबसे महत्वपूर्ण पहलू है, क्योंकि उसने न केवल पुलिस की कथित ज्यादतियों पर गंभीर सवाल उठाए हैं, बल्कि प्रदर्शन के दौरान हुई हिंसा और पुलिसकर्मियों पर हमलों की भी निष्पक्ष जांच की आवश्यकता बताई है।

मुख्य न्यायाधीश न्यायमूर्ति सूर्यकांत की अध्यक्षता वाली पीठ ने बेहद स्पष्ट शब्दों में कहा कि यदि किसी ने भी सीमा लांघी है तो उसके खिलाफ कार्रवाई होनी चाहिए। अदालत ने यह भी दो टूक कहा कि केवल इसलिए लाठीचार्ज को उचित नहीं ठहराया जा सकता क्योंकि कहीं प्रदर्शन हो रहा था। लोकतंत्र में विरोध-प्रदर्शन स्वाभाविक अधिकार है, लेकिन उसी तरह प्रदर्शनकारियों का आत्मानुशासन और पुलिस का संयम भी लोकतांत्रिक व्यवस्था की बुनियादी शर्त है। यदि विरोध हिंसक हो जाता है तो यह भी स्वीकार्य नहीं है और यदि पुलिस आवश्यकता से अधिक बल प्रयोग करती है तो वह भी कानून के दायरे से बाहर है।

सुप्रीम कोर्ट ने इस पूरे घटनाक्रम की स्वतंत्र, निष्पक्ष और पारदर्शी जांच की आवश्यकता पर जोर देते हुए संकेत दिया कि केवल जांच बैठा देना पर्याप्त नहीं होगा। यदि जिम्मेदारी तय नहीं होती तो ऐसी जांच का कोई अर्थ नहीं रह जाता। अदालत ने कथित पुलिस बर्बरता, इलेक्ट्रिक बैटन के इस्तेमाल, बिहार में प्रदर्शनकारियों के खिलाफ,च-47 के प्रयोग के आरोप तथा विभिन्न राज्यों में सामने आए अन्य गंभीर आरोपों को भी जांच के दायरे में शामिल करने का संकेत दिया है।

स्वास्थ्य मंत्री जायसवाल ने कांकेर जिला अस्पताल सहित विभिन्न स्वास्थ्य केन्द्रों का निरीक्षण

रायपुर। प्रदेश के लोक स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण, चिकित्सा शिक्षा, पिछड़ा वर्ग तथा अल्पसंख्यक विकास मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल आज कांकेर जिला प्रवास के दौरान कोमलदेव शासकीय जिला चिकित्सालय पहुंचे, जहां पर उन्होंने विभिन्न वार्डों का निरीक्षण किया। साथ ही इस दौरान मरीजों व उनके परिजनों से मुलाकात कर उनका हालचाल जाना। इसके अलावा स्वास्थ्य मंत्री ने अलबेलापारा स्थित मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य केन्द्र में जाकर विभिन्न वार्डों का निरीक्षण किया।

जिला पंचायत के सभाकक्ष में आज आयोजित संभाग स्तरीय विभागीय समीक्षा बैठक के उपरांत स्वास्थ्य मंत्री जायसवाल ने जिला अस्पताल में हाल ही में शुरू किए गए एमआरआई सेवाओं का अवलोकन किया तथा प्रतिदिन आने वाले औसतन मरीजों की जानकारी ली। साथ ही मरीजों के साथ आए उनके परिजनों से भेंट कर जिला अस्पताल में उपलब्ध सेवाओं के संबंध में फीडबैक लिया। इसके उपरांत प्रथम तल में स्थित आईपीडी कक्ष में भर्ती मरीजों से मुलाकात कर सेहतपुर्सी की जानकारी ली। कांकेर विकासखण्ड के ग्राम बारदेवरी से आई मरीज कलावती प्रधान, ग्राम लेण्डारा की मलेरिया से पीड़ित मरीज श्यामबाई यादव तथा प्रवीण तारम का हालचाल जाना तथा उनके शीघ्र स्वास्थ्य लाभ की कामना की। इसके उपरांत वे अलबेलापारा स्थित मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य केन्द्र पहुंचे जहां पर उन्होंने चिकित्सकों तथा स्वास्थ्य कर्मियों से चर्चा कर आवश्यक जानकारी ली। इस दौरान शिशु चिकित्सा कक्ष में जाकर भर्ती मरीजों से उनकी सेहत का हालचाल जाना तथा मलेरिया से ग्रसित कक्षा चौथी का मरीज समीर उईके से भेंट की।

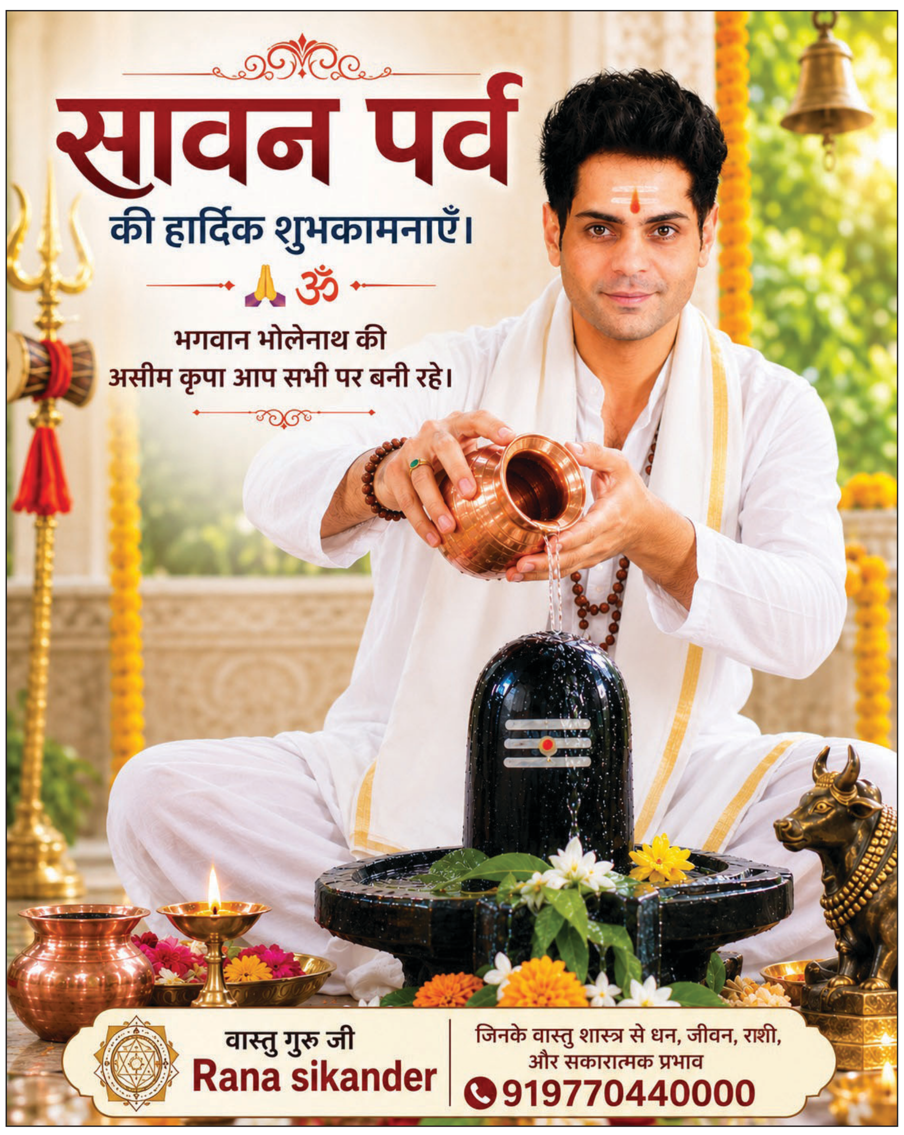

टंडवा में वर्षों पुरानी मांग पूरीः मंत्री टंक राम वर्मा ने 8 करोड़ रुपये से अधिक के विकास कार्यों की सौगात

रायपुर। रायपुर जिले के तिल्दा विकासखंड अंतर्गत ग्राम टंडवा में राजस्व मंत्री टंक राम वर्मा ने कुल 8.32 करोड़ रुपये से अधिक के विकास कार्यों का लोकार्पण और भूमिपूजन किया। इस दौरान मंत्री वर्मा ने ग्राम टंडवा में 444.55 लाख रुपये की लागत से बनने वाली दैहानपारा से झोपड़ा पारा बैकुंठ सड़क (2.675 किमी) और 387.69 लाख रुपये की लागत वाली टंडवा से बैकुंठ सड़क (2.65 किमी) का भूमिपूजन किया। इसके साथ ही शासकीय उच्चतर माध्यमिक शाला में 5 लाख रुपये के साइकिल स्टैंड और 10 लाख रुपये के प्रार्थना शेड का लोकार्पण भी संपन्न हुआ।

मंत्री वर्मा ने कहा कि ग्रामीणों और स्थानीय जनप्रतिनिधियों की वर्षों पुरानी सड़क निर्माण की मांग अब पूरी हो चुकी है। उन्होंने बताया कि वर्ष 2018 में भी इस मार्ग को स्वीकृति दिलाई गई थी, लेकिन तात्कालिक परिस्थितियों के कारण काम रुक गया था। अब न केवल सड़क की स्वीकृति मिली, बल्कि बोनस के रूप में दो प्रमुख सड़कों की सौगात मिली है। इस मार्ग के बनने से विद्यार्थियों, कामगारों, दुकानदारों और आम जनता को आवागमन में समय की बचत होगी और बड़ी सुविधा मिलेगी। उन्होंने पंचायत क्षेत्र के कार्यों का ब्योरा देते हुए बताया कि विगत ढाई वर्षों के कार्यकाल में पंचायत में लगभग 77 लाख रुपये के विभिन्न विकास कार्य कराए गए हैं। इनमें शेड निर्माण, महतारी सदन, पीडीएस भवन, उद्यान विकास, शौचालय, साइकिल स्टैंड और स्मार्ट क्लास जैसे जनहितकारी कार्य शामिल हैं।

छात्रों व युवाओं को दिया जीवन का संदेश

छात्र जीवन, प्रशासनिक तथा राजनीतिक अनुभवों को साझा करते हुए मंत्री श्री वर्मा ने कहा कि राजनीति का असली अर्थ जनसेवा, गरीबों के आंसू पोंछना और विकास योजनाओं को अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाना है, न कि सत्ता का प्रदर्शन करना। छात्रों और युवाओं को प्रेरित करते हुए उन्होंने कहा कि व्यक्ति का कद उसकी तारीफ या बुराई से तय नहीं होता, बल्कि उसके कर्मों से तय होता है। हमें पूरी ईमानदारी और लगन से काम करते रहना चाहिए। रामचरितमानस में भी कहा गया है कि श्परहित सरिस धर्म नहीं भाईश्कृअर्थात दूसरों के चेहरे पर मुस्कान लाना ही सबसे बड़ा धर्म है।

इस अवसर पर जिला और जनपद पंचायत अध्यक्ष, सरपंच, अन्य जनप्रतिनिधिगण, शाला के प्राचार्य, शिक्षकगण, ग्रामीण सहित बड़ी संख्या में विद्यार्थी उपस्थित रहे।

भाजपा एनजीओ प्रकोष्ठ रायपुर संभाग द्वारा प्रदेश संयोजक दिनेश सिंह का भव्य स्वागत एवं जन्मदिवस समारोह उत्साहपूर्वक संपन्न

रायपुर भारतीय जनता पार्टी, छत्तीसगढ़ एनजीओ प्रकोष्ठ के प्रदेश संयोजक आदरणीय श्री दिनेश सिंह जी के रायपुर आगमन पर भाजपा एनजीओ प्रकोष्ठ रायपुर संभाग की ओर से उनका पुष्पगुच्छ एवं पुष्पमालाओं से आत्मीय एवं भव्य स्वागत किया गया। तत्पश्चात उनके जन्मदिवस के अवसर पर केक काटकर हर्षोल्लास एवं गरिमामय वातावरण में जन्मोत्सव मनाया गया।

इस अवसर पर उपस्थित पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं ने श्री दिनेश सिंह जी के संगठन के प्रति समर्पण, समाज सेवा के क्षेत्र में उनके उल्लेखनीय योगदान तथा कार्यकर्ताओं के मार्गदर्शन की सराहना करते हुए उन्हें जन्मदिवस की हार्दिक शुभकामनाएँ एवं बधाई प्रेषित की। सभी ने उनके उत्तम स्वास्थ्य, दीर्घायु एवं यशस्वी जीवन की मंगलकामना करते हुए संगठन को उनके नेतृत्व में और अधिक सशक्त बनाने का संकल्प व्यक्त किया।

कार्यक्रम में प्रदेश सह संयोजक एवं रायपुर संभाग प्रभारी संदीप अग्रवाल , प्रदेश कार्यालय प्रभारी के.एस. नायडू जी, सोशल मिडिया प्रभारी संकल्प दुबे जी, सह प्रभारी हरीश साहू , प्रदेश कार्यसमिति सदस्य पुष्पा पटेल , योगेश शर्मा, स्वतंत्र मिश्रा, रायपुर जिला संयोजक राहुल हरितवाल , जिला सह संयोजकसुकृत गणेदवाले जी, रतीलाल साहू , दीपक तिवारी, विशेष आमंत्रित सदस्य अविरल सिंह सहित बड़ी संख्या में पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

कार्यक्रम के अंत में सभी ने आदरणीय श्री दिनेश सिंह जी के नेतृत्व में संगठन को और अधिक सशक्त बनाने तथा समाजहित एवं राष्ट्रहित के कार्यों को निरंतर गति देने का संकल्प दोहराया। पूरा कार्यक्रम आत्मीयता, उत्साह एवं संगठनात्मक एकता के वातावरण में संपन्न हुआ।

अल्ट्राटेक ने खपराडीह स्कूल को दी कंप्यूटर लैब की सौगात

बलौदाबाजार । अल्ट्राटेक रावन सीएसआर ने ग्रामीण विद्यार्थियों को डिजिटल शिक्षा से जोड़ने की दिशा में महत्वपूर्ण पहल करते हुए शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय, खपराडीह में आधुनिक कंप्यूटर लैब का शुभारंभ किया। मानव संसाधन प्रमुख करन मिस्त्री एवं प्रशासनिक प्रमुख संजीव मिश्रा के मार्गदर्शन में स्थापित इस लैब का उद्घाटन ग्राम पंचायत खपराडीह के सरपंच गजेंद्र वर्मा, जनपद सदस्य भानुप्रताप वर्मा तथा पंचायत प्रतिनिधियों ने फीता काटकर एवं दीप प्रज्वलित कर किया। कंप्यूटर लैब में आठ आधुनिक कंप्यूटर सेट के साथ टेबल, कुर्सियां, आलमारी, राइटिंग बोर्ड, नोटिस बोर्ड, डस्टबिन, फुटमैट एवं एयर ब्लोवर जैसी आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध कराई गई हैं। कार्यक्रम में उपसरपंच मधु नायक, पंच दीपक बघमार, अशोक भारद्वाज, प्रदीप निर्मलकर, परमेश्वर साहू, मोनिका बघमार, रेणु बलराम वर्मा, ममता वर्मा, शाला विकास समिति अध्यक्ष महेतर लाल वर्मा, प्राचार्य डी.एन. वर्मा सहित शिक्षक-शिक्षिकाएं एवं ग्रामीणजन उपस्थित रहे। इस अवसर पर जनप्रतिनिधियों एवं विद्यालय प्रबंधन ने कहा कि डिजिटल युग में कंप्यूटर शिक्षा विद्यार्थियों के लिए अत्यंत आवश्यक है। नई कंप्यूटर लैब से छात्र-छात्राओं को कंप्यूटर संचालन, डिजिटल साक्षरता, ऑनलाइन शिक्षा और सूचना प्रौद्योगिकी से जुड़ी व्यावहारिक जानकारी प्राप्त होगी, जिससे उनकी शैक्षणिक गुणवत्ता और रोजगारोन्मुखी कौशल का विकास होगा।

जनदर्शन में आए 41 आवेदन, निराकरण के लिए संबंधित विभागों को दिए निर्देश

महासमुंद । कलेक्टर विनय कुमार लंगेह ने आज जनदर्शन में जिले भर से आए आवेदकों की समस्याएं सुनी और उनके निराकरण के लिए संबंधित विभाग को निर्देश भी दिए। पिथौरा विकासखंड के बुंदेली गांव में कन्या प्राथमिक शाला और कन्या पूर्व माध्यमिक शाला को गांव के ही शासकीय बालक पूर्व माध्यमिक शाला में संचालित करने के आदेश भी कलेक्टर ने दिए है। जनदर्शन में 41 आवेदन प्राप्त हुए। जिनके निराकरण के लिए कलेक्टर ने संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया। कलेक्टेट सभाकक्ष में आयोजित जनदर्शन में बुंदेली गांव के विमल महंत ने आवेदन देकर कलेक्टर विनय कुमार लंगेह को बताया कि शासकीय कन्या प्राथमिक शाला का संचालन गांव के ही मंगल भवन में किया जा रहा है। जिसे शासकीय बालक पूर्व माध्यमिक शाला में स्थानांतरित किया जाए। इसी तरह शासकीय कन्या पूर्व माध्यमिक शाला को उसके भवन निर्माण तक बालक शाला में संचालित करने की मांग की गई।

खेती-किसानी का काम तेज़ी के साथ जारी, राज्य में लक्ष्य का 80 प्रतिशत बोनी पूर्ण

रायपुर। छत्तीसगढ़ में खेती किसानी का कार्य तेज़ी के साथ जारी हैं। राज्य में 28 जुलाई की स्थिति में राज्य में 39.09 लाख हेक्टेयर क्षेत्रों में लक्ष्य का 80 प्रतिशत बोनी हो चुकी है। इस खरीफ सीजन में 48.69 लाख हेक्टेयर क्षेत्र में बोनी का लक्ष्य निर्धारित किया गया है।

मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने किसानों को खेती-किसानी में सहूलियतें प्रदान करने के लिए सभी आवश्यक सहयोग करने संबंधित अधिकारियों निर्देशित किए हैं। उन्होंने किसानों को उनकी मांग के अनुसार सुगमता के साथ प्रमाणित खाद-बीज का वितरण करने को कहा हैं। खाद-बीज वितरण व्यवस्था में किसी भी प्रकार की लापरवाही पर कड़ी कार्यवाही करने के भी निर्देश दिए हैं। साथ ही सोसायटियों में पर्याप्त खाद-बीज का भण्डारण कर सतत निगरानी करने को कहा है। कृषि विकास एवं किसान कल्याण मंत्री श्री रामविचार नेताम के मार्गदर्शन में कृषि विभाग के अधिकारियों द्वारा इन पर निरंतर निगरानी रखी जा रही है।

कृषि विभाग के अधिकारियों ने बताया कि प्रदेश के किसानों को अब तक 9.95 लाख मीट्रिक टन खाद और 4.38 लाख क्विंटल प्रमाणित बीज का वितरण किया जा चुका है। अधिकारियों ने बताया कि प्रदेश में मानसून की बौछारों के साथ शुरू हुए खेती- किसानी में बोनी का रकबा भी निरंतर बढ़ते जा रहा है।

लक्ष्य का 80 प्रतिशत क्षेत्रों में बोनी पूर्ण

राज्य में अब तक 39.09 लाख हेक्टेयर क्षेत्र में विभिन्न फसलों जैसे धान, मक्का, कोदो, कुटकी, अरहर, मूंग, मूंगफली, रामतिल आदि की बोनी हो चुकी है, जो लक्ष्य का 80 प्रतिशत है। इस खरीफ सीजन में राज्य सरकार ने 48.69 लाख हेक्टेयर क्षेत्र में बोनी का लक्ष्य रखा है।

प्रदेश में अब तक 447.1 मि.मी. औसत वर्षा दर्ज: राज्य की औसत वार्षिक वर्षा 1246.3 मि.मी. अधिकारियों ने बताया कि 28 जुलाई सुबह तक की स्थिति में प्रदेश में अब तक 447.1 मि.मी. औसत वर्षा दर्ज की गई है, जबकि प्रदेश की औसत वार्षिक वर्षा 1246.3 मिमी है।

किसानों को 4.38 लाख क्विंटल बीज वितरित

अधिकारियों ने बताया कि इस वर्ष खरीफ 2026 के लिए बीज निगम द्वारा प्रदेश में 4.95 लाख क्विंटल प्रमाणित बीज वितरण का लक्ष्य रखा गया है, जिसके विरूद्ध 4.75 लाख क्विंटल बीज का भंडारण कर अब तक 4.38 लाख क्विंटल बीज का वितरण किसानों को किया जा चुका है, जो मांग का 88 प्रतिशत है। गत वर्ष इसी अवधि में 4.31 लाख क्विंटल प्रमाणित बीज का वितरण किया गया था।

केवट नवागांव की स्कूल और सड़क में भरा पानी,छात्र व ग्रामीण परेशान

बालोद। दो दिनों से लगातार भारी बारिश से केवट नवागांव के मिडिल स्कूल व केवट नवागांव से फरदफोड़ मार्ग पर पानी भर गया। छात्र-छात्राओं को स्कूल के अंदर जाने में बहुत परेशानी हो रही है। मध्यान भोजन करने के बाद बच्चे भरे पानी में बर्तन धो रहे हैं। स्कूल मैदान में पानी निकासी की व्यवस्था नहीं होने से भी परेशानी बढी है। छात्र-छात्राओं को शौचालय तक पहुंचने में भी दिक्कत है। ग्रामीणों का कहना है कि केवट नवागांव से झिटिया तक सड़क मार्ग अत्यधिक जर्जर है। इस मार्ग से 8 से अधिक गांव के ग्रामीण आना-जाना करते हैं। मार्ग निर्माण के लिए पूर्व मुख्यमंत्री ने सड़क निर्माण की घोषणा की थी। सड़क मार्ग पर बड़े-बड़े गड्ढे हो गए हैं जिसमें पानी भरा रहता है। ग्राम झिटिया के पास नाले पर बनी पुलिया भी अत्यंत जर्जर है। चार पहिया वाहन व बस निकलने में दिक्कत है। सड़क निर्माण एवं स्कूल की समस्याओं को जनप्रतिनिधि व ग्राम पंचायत को बताया गया है।

घायल कांग्रेस नेता अनिल टेमरे का हालचाल जानने अस्पताल पहुंचे विधायक भोलाराम साहू

छुरिया। खुज्जी विधानसभा क्षेत्र के विधायक भोलाराम साहू ने श्रीराम हॉस्पिटल पहुँचकर पाण्डुका निवासी एवं ब्लॉक कांग्रेस कुमरदा के महामंत्री अनिल टेमरे से मुलाकात कर उनका हालचाल जाना। हाल ही में सड़क दुर्घटना में बाइक से गिरने के कारण अनिल टेमरे के हाथ एवं पैर में गंभीर चोटें आई हैं, जिनका उपचार अस्पताल में जारी है। विधायक भोलाराम साहू ने चिकित्सकों से उनके स्वास्थ्य एवं उपचार की जानकारी ली तथा शीघ्र स्वस्थ होने की कामना की। उन्होंने परिजनों से भी चर्चा करते हुए हरसंभव सहयोग का आश्वासन दिया और कहा कि किसी भी आवश्यकता की स्थिति में वे सदैव साथ खड़े रहेंगे। इस अवसर पर ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्ष प्रताप सिंह घावड़े, परिजन एवं कांग्रेस के कई कार्यकर्ता भी मौजूद रहे। विधायक भोलाराम साहू ने कहा कि राजनीतिक विचारधारा से ऊपर उठकर मानवीय संवेदनाओं का निर्वहन करना सभी का दायित्व है।

बांकीमोंगरा नगर पालिका के नवनियुक्त एल्डरमैनों ने ली शपथ, मंत्री लखनलाल देवांगन हुए शामिल

कोरबा । नगर पालिका परिषद बांकीमोंगरा में राज्य शासन द्वारा मनोनीत नवनियुक्त एल्डरमैनों का शपथ ग्रहण समारोह सोमवार को गरिमामय वातावरण में संपन्न हुआ। कटघोरा के एसडीएम ने विधिवत पद एवं गोपनीयता की शपथ दिलाई। नवनियुक्त एल्डरमैनों में राखी अग्रवाल, निराकार नाहक, जितेंद्र सिंह एवं देव प्रसाद यादव शामिल हैं।

शपथ ग्रहण के बाद सभी नवनियुक्त एल्डरमैनों का पुष्पमालाओं से स्वागत एवं सम्मान किया गया। इस अवसर पर उपस्थित जनप्रतिनिधियों ने विश्वास जताया कि चार नए एल्डरमैनों के जुड़ने से नगर पालिका परिषद की कार्यक्षमता बढ़ेगी और बांकीमोंगरा के विकास कार्यों को नई गति मिलेगी। वहीं, इन नियुक्तियों के बाद क्षेत्र के राजनीतिक गलियारों में भी हलचल तेज हो गई है।

समारोह के मुख्य अतिथि प्रदेश के वाणिज्य, उद्योग, आबकारी एवं श्रम मंत्री लखनलाल देवांगन रहे, जबकि कार्यक्रम की अध्यक्षता कटघोरा विधायक प्रेमचंद पटेल ने की। नगर पालिका अध्यक्ष श्रीमती सोनी कुमारी झा एवं उपाध्यक्ष श्रीमती गायत्री कंवर की विशेष उपस्थिति रही। कार्यक्रम में मुख्य नगर पालिका अधिकारी श्रीमती ज्योत्सना टोप्पो, पूर्व प्रदेश कोषाध्यक्ष भाजयुमो विकास झा, भाजपा पिछड़ा वर्ग मोर्चा के प्रदेश मंत्री भागवत विश्वकर्मा, विधायक प्रतिनिधि लखपत शर्मा, भाजपा नेता मंगलू जनार्दन, चेतन कर्ष, लक्ष्मी देवांगन, रन साय केवट, राकेश पटेल, श्रवण यादव, लखन राठौर, सालिक राम दुबे, मनोज कुंडु, राजेश पटेल, महिला मोर्चा मंडल अध्यक्ष शशि साहू, गौरी केवट, हेमा शर्मा, शारदा यादव, भाजपा मंडल अध्यक्ष उदय शर्मा, नगर पालिका के पार्षद, विभिन्न सामाजिक एवं व्यापारिक संगठनों के प्रतिनिधि, पत्रकारगण तथा बड़ी संख्या में नागरिक उपस्थित रहे।

सीबीएसई क्लस्टर बास्केटबॉल में डीपीएस राजनांदगांव का दबदबा, तीन आयु वर्ग में जीते स्वर्ण पदक

राजनांदगांव । सर्वज्ञ राव बास्केटबॉल अकादमी के खिलाड़ियों से सुसज्जित दिल्ली पब्लिक स्कूल (डीपीएस) राजनांदगांव की बालिका टीमों ने सीबीएसई क्लस्टर बास्केटबॉल प्रतियोगिता में शानदार प्रदर्शन करते हुए अंडर-14, अंडर-17 और अंडर-19 तीनों आयु वर्ग में स्वर्ण पदक अपने नाम किए। प्रतियोगिता में उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए डीपीएस की पावनी कोडापे (अंडर-14), रूमी कोनवर (अंडर-17) और काम्या झा (अंडर-19) को अपने-अपने वर्ग का सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी घोषित किया गया।

विद्यालय की प्राचार्या ने बताया कि अंडर-14 बालिका टीम ने फाइनल में मदर पब्लिक स्कूल, भुवनेश्वर को 24-12 अंकों से हराकर स्वर्ण पदक जीता। वहीं अंडर-17 टीम ने लक्ष्मी पथ सिंधानिया स्कूल को 26-04 अंकों से तथा अंडर-19 टीम ने मदर पब्लिक स्कूल, भुवनेश्वर को 25-09 अंकों से पराजित कर खिताब अपने नाम किया।

तीनों विजेता टीमों को कोच कालवा राजेश्वर राव ने प्रशिक्षण दिया, जबकि मोहन राम साहू सहायक कोच और नेहाली देवांगन टीम मैनेजर की भूमिका में रहे। विद्यालय प्रबंधन ने खिलाड़ियों और प्रशिक्षकों की उपलब्धि पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा कि यह सफलता खिलाड़ियों की कड़ी मेहनत, अनुशासन और नियमित अभ्यास का परिणाम है। विद्यालय ने उम्मीद जताई कि खिलाड़ी भविष्य में भी राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिताओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन कर राजनांदगांव और छत्तीसगढ़ का नाम रोशन करेंगे।

गुरु रविदास की 650वीं जयंती पर आज शुरू होगा समरसता संकल्प अभियान : लोकेश कावड़िया

बलौदाबाजार । भारतीय जनता पार्टी जिला कार्यालय में आयोजित प्रेसवार्ता में छत्तीसगढ़ राज्य निशक्तजन वित्त एवं विकास निगम आयोग के अध्यक्ष लोकेश कावड़िया ने बताया कि संत शिरोमणि श्री गुरु रविदास महाराज की 650वीं जयंती वर्ष के अवसर पर 29 जुलाई 2026 (गुरु पूर्णिमा) से 20 फरवरी 2027 (माघ पूर्णिमा) तक देशव्यापी %समरसता संकल्प अभियान% संचालित किया जाएगा। यह अभियान राष्ट्रीय, प्रदेश, जिला, मंडल और ग्राम स्तर पर जनभागीदारी के साथ आयोजित होगा।

कावड़िया ने कहा कि अभियान का उद्देश्य गुरु रविदास महाराज के समता, सामाजिक न्याय, मानवता, सेवा, सद्भाव और सामाजिक समरसता के संदेश को जन-जन तक पहुंचाना तथा विकसित भारत के निर्माण में समाज के सभी वर्गों की सहभागिता सुनिश्चित करना है। उन्होंने कहा कि गुरु रविदास महाराज किसी एक समाज के नहीं, बल्कि संपूर्ण मानवता के प्रेरणास्रोत थे। उन्होंने जातिवाद, छुआछूत और सामाजिक भेदभाव के विरुद्ध आजीवन संघर्ष करते हुए समानता और आत्मसम्मान का संदेश दिया। उनका बेगमपुरा का दर्शन आज भी भेदभावमुक्त और न्यायपूर्ण समाज की प्रेरणा देता है।

उन्होंने बताया कि अभियान की शुरुआत 29 जुलाई को देशभर के मंदिरों में %समरसता दीप महोत्सव% से होगी। इसके तहत 51 हजार स्थानों पर दीप प्रज्वलित किए जाएंगे, जबकि वाराणसी के संत रविदास घाट पर 11 हजार दीप जलाए जाएंगे। कार्यक्रमों में भजन, सांस्कृतिक प्रस्तुतियां, धार्मिक प्रवचन और प्रसाद वितरण भी होगा।

कावड़िया ने बताया कि 29 जुलाई से 10 सितंबर तक कलश वंदन अभियान, 29 जुलाई से 31 अगस्त तक संत संपर्क अभियान, 5 अक्टूबर से 5 नवंबर तक समरसता यात्रा तथा 26 नवंबर 2026 से 15 जनवरी 2027 तक छात्रावास संपर्क अभियान आयोजित किया जाएगा। इसके अलावा संत गुरु रविदास से जुड़े प्रमुख धार्मिक स्थलों के विकास का भी संकल्प लिया गया है। उन्होंने कहा कि अभियान के प्रभावी संचालन के लिए प्रदेश, जिला और मंडल स्तर पर समितियों का गठन किया जा रहा है तथा मीडिया और सोशल मीडिया के माध्यम से व्यापक जनजागरण किया जाएगा। उन्होंने सभी संत-महात्माओं, सामाजिक संगठनों, मंदिर समितियों, जनप्रतिनिधियों, युवाओं, महिलाओं और विद्यार्थियों से अभियान में सक्रिय भागीदारी की अपील की। प्रेसवार्ता में भाजपा जिलाध्यक्ष आनंद यादव, महामंत्री विजय यादव, जिला मीडिया प्रभारी आलोक अग्रवाल, जिला मंत्री रितेश श्रीवास्तव, भाजयुमो जिलाध्यक्ष प्रणम्य पांडेय सहित पार्टी के पदाधिकारी उपस्थित रहे।

आवश्यकता है तो उसे तलाशने और तरासने की ये कार्य बखूबी कर रहे हैं निःशुल्क कोचिंग सेंटर

छुईखदान । छुईखदान के समर्पित शिक्षकगणजिनके अथक प्रयास से इस वर्ष चार बच्चों का नवोदय विद्यालय और दस बच्चों का चयन प्रयास आवासीय विद्यालय के लिए हुआ है ।विगत दिनों इन प्रतिभा सम्पन्न बच्चों का नि:शुल्क कोचिंग सेंटर में किया गया ।यह आयोजन समिति छुईखदान द्वारा किया किया गया ।इस अवसर पर योग समिति के अध्यक्ष संजय महोबिया ने नि:शुल्क कोचिंग दे रहे शिक्षकों की प्रशंसा करते हुए कहा कि ये पुण्य कार्य त्याग और समर्पण से ही संभव हो सका है ।इसके लिए ऐसे शिक्षकों को नमन है ।नमन है उन माता-पिता को जो अपने सारे कार्य छोड़कर प्रात:काल अपने नवनिहाल के भविष्य को संवारने कोचिंग सेंटर तक पहुंच जाते हैं ।योग समिति के अशोक चंद्राकर और योग शिक्षक मोहन जंघेल ने भी आशीर्वचन स्वरूप विचार व्यक्त किए ।भविष्य में ऐसे पावन कार्य के लिए हर संभव सहयोग प्रदान करने की बात सम्माननीय जनों ने कही ।कार्यक्रम का संचालन डॉ सियाराम साहू ने किया ।शिक्षक संजीव धुर्वे ने अतिथियों का अभिनंदन किया ।नवोदय में चयनित बच्चे मानवी चंदेल , भारती यादव, कुशाग्र वर्मा, राजेंद्र रजक , एकलव्य से पायल मंडावी, मान्यक नेताम और प्रयास विद्यालय हेतु चयनित बच्चे हित्विक चंदेल, लक्ष्य ठाकुर, पीयूष चंदेल, राशि अग्रवाल, डिम्पल वर्मा, जानकी सूर्यवंशी, पुष्पक गोटे, देवेश मंडावी, सार्थक मंडावी.का सम्मान योग समिति से यशवंत वर्मा, सुखदेव वर्मा,द्वारा किया गया ।इस अवसर पर नि:शुल्क कोचिंग से जुड़े शिक्षक दोदेश्वर चंदेल,कुंभलाल वर्मा,राजदास मानिकपुरी,दिग्विजय दास वैष्णव, दीनदयाल शोरी, राघवेंद्र वर्मा,अमर दास,चेलक सर, अश्विनी साहू,देवेंद्र यादव, राधे लाल कोठारी, अशोक साहू,उपस्थित थे ।कार्यक्रम में बड़ी संख्या में पालकगण उपस्थित थे।

डोंगरगढ़ विधायक ने कलेक्टर को सौंपा ज्ञापन

डोंगरगढ़ । डोंगरगढ़ विधानसभा क्षेत्र की जन-समस्याओं को लेकर स्थानीय विधायक द्वारा जिलाधीश (कलेक्टर) राजनांदगांव को एक औपचारिक ज्ञापन सौंपा गया। इस दौरान जिला महामंत्री विजयराज सिंह, पंच राम चंदेल, सुरेश सिन्हा सहित बड़ी संख्या में ग्रामीणजन विशेष रूप से उपस्थित रहे।

ज्ञापन के माध्यम से विधायक ने डोंगरगढ़ क्षेत्र में व्याप्त तीन प्रमुख समस्याओं की ओर शासन-प्रशासन का ध्यान आकर्षित करते हुए तत्काल कार्रवाई की मांग की है-

बाईपास प्रभावित 17-18 गांवों में रजिस्ट्री की समस्या- बाईपास निर्माण के कारण आसपास के 17-18 गांवों में जमीनों की खरीद-बिक्री एवं रजिस्ट्री पर पूर्ण रोक लगा दी गई है। विधायक ने कहा कि जो जमीनें प्रत्यक्ष अधिग्रहण क्षेत्र से बाहर हैं, उन पर से प्रतिबंध तत्काल हटाया जाए ताकि किसान अपनी आवश्यकतानुसार जमीन का उपयोग कर सकें। आपातकालीन अनुमति प्रक्रिया में पारदर्शिता आपातकालीन स्थितियों (जैसे इलाज, शादी-ब्याह) में रजिस्ट्री की विशेष अनुमति हेतु पारदर्शी व्यवस्था न होने से भ्रष्टाचार और अत्यधिक विलंब की शिकायतें मिल रही हैं। इसके लिए एक निश्चित समय-सीमा तय कर पारदर्शी प्रक्रिया लागू करने की मांग की गई। डोंगरगढ़ शहर में नजूल भूमि का नवीनीकरण- पूरे डोंगरगढ़ शहर में नजूल भूमि की वैधता समाप्त हो जाने के कारण जमीनों का हस्तांतरण, नामांतरण और रजिस्ट्री प्रक्रिया पूरी तरह ठप है।

कलेक्टर ने जनदर्शन में सुनी आमजनों की समस्याएं

कोण्डागांव (महाकोशल)। कलेक्टर नूपुर राशि पन्ना ने मंगलवार को जिला कार्यालय के सभाकक्ष में आयोजित साप्ताहिक जनदर्शन में जिले के विभिन्न क्षेत्रों से पहुंचे आम नागरिकों की समस्याएं एवं मांगें सुनीं। उन्होंने प्राप्त सभी आवेदनों का गंभीरतापूर्वक अवलोकन करते हुए संबंधित विभागों के अधिकारियों को निर्धारित समय-सीमा में गुणवत्तापूर्ण निराकरण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। जनदर्शन में ग्राम कोकोड़ी निवासी हेमिन बाई ने महतारी वंदन योजना का लाभ दिलाने की मांग की। इसी प्रकार ग्राम करण्डी निवासी रैसिंग मण्डावी ने वन अधिकार पट्टे की मांग की। ग्राम नेवता निवासी हरिलाल मरकाम और प्रभुराम मरकाम ने खसरा संसोधन कराने हेतु आवेदन प्रस्तुत किया। इसके अतिरिक्त जनदर्शन में राजस्व प्रकरणों के निराकरण, वनाधिकार पट्टे की मांग, आवागमन की सुविधा सहित विभिन्न जनसमस्याओं एवं मांगों से संबंधित आवेदन

विश्व हेपेटाइटिस दिवस पर जागरूकता अभियान, 77 लोगों का हुआ सफल टीकाकरण

जशपुरनगर। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. जी. एस. जात्रा के मार्गदर्शन में विश्व हेपेटाइटिस दिवस के अवसर पर शासकीय जी.एन.एम. नर्सिंग कॉलेज एवं जिला चिकित्सालय, जशपुर में हेपेटाइटिस-बी टीकाकरण एवं जागरूकता शिविर का आयोजन किया गया। शिविर का उद्देश्य केवल टीकाकरण तक सीमित न रहकर समाज में हेपेटाइटिस के प्रति जागरूकता बढ़ाना, समय पर जांच एवं टीकाकरण को प्रोत्साहित करना तथा इस गंभीर बीमारी की रोकथाम के लिए सामुदायिक सहभागिता सुनिश्चित करना था।

शिविर के दौरान जी.एन.एम. नर्सिंग कॉलेज की 65 छात्राओं तथा 12 स्वास्थ्य कर्मियों सहित कुल 77 हितग्राहियों को हेपेटाइटिस-बी वैक्सीन का प्रथम डोज लगाया गया। साथ ही स्वास्थ्य विभाग की टीम द्वारा हेपेटाइटिस से संबंधित जानकारी साझा करते हुए जागरूकता सत्र का आयोजन किया गया।

मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. जी. एस. जात्रा ने बताया कि हेपेटाइटिस यकृत (लीवर) में होने वाली सूजन है, जो मुख्य रूप से वायरस के संक्रमण के कारण होती है। इसके प्रमुख प्रकार हेपेटाइटिस-ए, बी, सी, डी एवं ई हैं। इनमें हेपेटाइटिस-बी एवं सी लंबे समय तक शरीर में रहकर लीवर सिरोसिस, लीवर फेलियर तथा लीवर कैंसर जैसी गंभीर बीमारियों का कारण बन सकते हैं। उन्होंने कहा कि समय पर जांच, पूर्ण टीकाकरण और जागरूकता के माध्यम से इस बीमारी से प्रभावी रूप से बचाव किया जा सकता है।

जागरूकता सत्र में प्रतिभागियों को बताया गया कि हेपेटाइटिस के सामान्य लक्षणों में अत्यधिक थकान, भूख कम लगना, मतली एवं उल्टी, बुखार, पेट के दाहिने हिस्से में दर्द, आंखों एवं त्वचा का पीला पड़ना (पीलिया), गहरे रंग का मूत्र तथा हल्के रंग का मल शामिल हैं। साथ ही यह भी जानकारी दी गई कि कई संक्रमित व्यक्तियों में प्रारंभिक अवस्था में कोई लक्षण दिखाई नहीं देते, इसलिए समय पर जांच और टीकाकरण अत्यंत आवश्यक है।

स्वास्थ्य विभाग की टीम ने हेपेटाइटिस से बचाव के प्रभावी उपायों की भी विस्तृत जानकारी दी। बताया गया कि हेपेटाइटिस-बी से बचाव का सबसे सुरक्षित एवं प्रभावी माध्यम पूर्ण टीकाकरण है। इसके अतिरिक्त केवल स्टरलाइज्ड सुई एवं चिकित्सा उपकरणों का उपयोग करना, जांचे हुए सुरक्षित रक्त का ही उपयोग करना, रेजर, टूथब्रश एवं नेल कटर जैसी व्यक्तिगत वस्तुओं को साझा न करना, सुरक्षित व्यवहार अपनाना तथा व्यक्तिगत एवं पर्यावरणीय स्वच्छता बनाए रखना आवश्यक है। वहीं हेपेटाइटिस-ए एवं ई से बचाव के लिए स्वच्छ पेयजल, स्वच्छ भोजन तथा हाथों की नियमित सफाई पर विशेष बल दिया गया।

कार्यक्रम के अंत में सभी छात्राओं एवं स्वास्थ्य कर्मियों से हेपेटाइटिस-बी टीकाकरण के शेष निर्धारित डोज समय पर पूर्ण कराने तथा अपने परिवार एवं समाज में हेपेटाइटिस की रोकथाम, समय पर जांच और टीकाकरण के प्रति जन जागरूकता फैलाने का आह्वान किया गया। इस अवसर पर यह संदेश भी दिया गया कि हेपेटाइटिस से बचाव संभव है- समय पर टीकाकरण, जागरूकता और सतर्कता अपनाकर स्वस्थ जीवन की दिशा में महत्वपूर्ण कदम उठाया जा सकता है।

छूटे हुए स्कूली बच्चों के आयुष्मान कार्ड बनाने विशेष अभियान चलाने के निर्देश

बलौदाबाजार । कलेक्टर कुलदीप शर्मा ने मंगलवार को समय- सीमा की बैठक में विभागीय कार्यो की समीक्षा की। उन्होंने बारिश के मौसम में सुगम आवागमन हेतु जर्जर सड़कों की शीघ्र मरम्मत कराने के निर्देश लोक निर्माण विभाग के अधिकारियों को दिये।

कलेक्टर शर्मा ने कहा कि कई मुख्य एवं ग्रामीण सड़के बारिश के कारण और अधिक जर्जर हो गई है जिससे आवागमन प्रभावित होने के साथ ही दुर्घटना की भी आशंका बढ़ जाती है। ऐसे सभी सड़कों का पैच रिपेयर कार्य तेजी से लोक निर्माण विभाग द्वारा कराया जाए। उन्होंने प्रधानमंत्री आयुष्मान भारत योजना के तहत स्कूली बच्चों के आयुष्मान कार्ड बनाने की प्रगति की समीक्षा करते हुए कहा कि अब तक जिन बच्चों का आयुष्मान कार्ड नहीं बन पाया है उनके लिये स्कूल शिक्षा विभाग से समन्वय कर विशेष अभियान चलाएं और समय - सीमा के भीतर पूरा कराएं। कलेक्टर ने सुपोषित बचपन अभियान के तहत जिले के आंगनबाड़ी केन्द्र में दर्ज गंभीर एवं मध्यम कुपोषित बच्चों को पौष्टिक लड्डू वितरण की समीक्षा करते हुए सभी एसडीएम को आंगनबाड़ी केंद्रों का आकस्मिक निरीक्षण करने तथा अनियमितता पर सीडीपीओ पर कार्यवाही के निर्देश दिये। उन्होंने बरसात के मौसम में गुणवत्तापूर्ण लड्डू निर्माण हेतु स्थानीय आंगनबाड़ी केंद्रों में ही निर्माण के निर्देश दिये। कलेक्टर ने आश्रम छात्रावासों में पोषण वाटिका निर्माण की समीक्षा करते हुए सहायक आयुक्त आदिवासी को निर्देशित किया कि सभी आश्रम -छात्रावासों में उपयुक्त स्थान पर पोषण वाटिका का निर्माण कराएं। कलेक्टर ने ई -ऑफिस के क्रियान्वयन की समीक्षा करते हुए राज्य शासन की मंशा अनुसार सभी फाइलो का मूवमेंट एवं पत्राचार शतप्रतिश ई-ऑफिस के माध्यम से करने के निर्देश दिये।

सीएम हेल्पलाईन 1076 के माध्यम से प्राप्त शिकायत पर हुई तत्काल कार्रवाई

रायपुर। मुख्यमंत्री हेल्पलाइन 1076 में प्राप्त शिकायत के आधार पर श्रम विभाग की त्वरित कार्रवाई से 103 मजदूरों को उनका लंबित वेतन मात्र दो दिनों के भीतर दिलाया गया। श्रम पदाधिकारी गरियाबन्द सुश्री जयंती बसंल ने बताया कि विकासखण्ड फिंगेश्वर के ग्राम कुंडेल निवासी नोमेन्द्र कुमार जोशी ने इस संबंध में सीएम हेल्पलाईन 1076 के माध्यम से शिकायत दर्ज किया था। जिसमें स्वयं के साथ अन्य 102 मजदूरों द्वारा मजदूरी भुगतान प्राप्त नहीं होने के संबंध शिकायत की गई थी। शिकायत प्राप्त होने पर श्रम विभाग ने मामले को गंभीरता से लेते हुए संबंधित विभाग एवं नियोक्ता से संपर्क कर नियमानुसार आवश्यक कार्रवाई की। विभागीय प्रयासों के परिणामस्वरूप सभी मजदूरों का लंबित वेतन भुगतान सुनिश्चित किया गया। कार्रवाई के तहत कुल 103 मजदूरों की बकाया वेतन राशि 9 लाख 20 हजार 99 रुपये उनके बैंक खातों में जमा कराई गई। समयसीमा के भीतर भुगतान मिलने से मजदूरों को राहत मिली। वेतन भुगतान के सफल निराकरण पर शिकायतकर्ताओं ने मुख्यमंत्री हेल्पलाइन पोर्टल तथा श्रम कल्याण निरीक्षक मनीष कुमार बंजारे, डाटा एंट्री ऑपरेटर लुकेश्वर सेन एवं उनकी टीम के प्रति आभार व्यक्त किया।

कान्यकुब्ज युवा संगिनी समिति ने पहंदा में किया वृक्षारोपण, 100 पौधे लगाने का लिया संकल्प

बलौदाबाजार । पर्यावरण संरक्षण और हरित अभियान को बढ़ावा देने के उद्देश्य से कान्यकुब्ज युवा संगिनी समिति, बलौदाबाजार द्वारा ग्राम पहंदा में वृक्षारोपण कार्यक्रम आयोजित किया गया। वर्षा ऋतु की शुरुआत के साथ समिति ने अपनी वार्षिक परंपरा को निभाते हुए ग्रामवासियों के सहयोग से विभिन्न प्रजातियों के पौधे लगाए।

समिति की अध्यक्ष श्रीमती गायत्री शुक्ला एवं संरक्षिका डॉ. प्रभा शुक्ला के नेतृत्व में आयोजित कार्यक्रम में फलदार पौधों के साथ नीम, पीपल और बरगद जैसे छायादार एवं पर्यावरण के लिए उपयोगी वृक्षों का रोपण किया गया। समिति के सदस्यों ने बताया कि इन पौधों के विकसित होने से गांव का वातावरण अधिक स्वच्छ एवं हराभरा बनेगा तथा लोगों को शुद्ध वायु और छाया का लाभ मिलेगा।

इस अवसर पर डॉ. प्रभा शुक्ला ने ग्रामीणों को वृक्षों के महत्व, पर्यावरण संरक्षण में उनकी भूमिका तथा पौधों के संरक्षण की आवश्यकता के बारे में जानकारी दी। उन्होंने कहा कि वृक्षारोपण के साथ-साथ पौधों का संरक्षण भी उतना ही आवश्यक है। समिति की अध्यक्ष गायत्री शुक्ला ने बताया कि प्रत्येक वर्ष वर्षा ऋतु में वृक्षारोपण अभियान चलाया जाता है। इस वर्ष भी समिति ने कम से कम 100 पौधे लगाने का लक्ष्य निर्धारित किया है। कार्यक्रम में दीप्ति मिश्रा, अर्चना त्रिवेदी, नम्रता शुक्ला, श्रद्धा दुबे, रानी वाजपेयी, स्वाती मिश्रा, प्रीति वाजपेयी, गुड्डन तिवारी, मीनाक्षी तिवारी, प्रतिमा तिवारी, लीना वाजपेयी, पूनम तिवारी, आशी मिश्रा, श्रेया त्रिवेदी, शीला दीक्षित, गौरी शुक्ला, संध्या वाजपेयी सहित समिति की सदस्याएं एवं ग्रामवासी उपस्थित रहे।

गौरव स्थल निरीक्षण कर उन्नयन हेतु दिए दिशा निर्देश

राजनांदगांव । महापौर मधुसूदन यादव आज सुबह वार्ड नंबर 15 स्थित बस स्टैण्ड एंव गौरव स्थल का निगम अध्यक्ष टोपेन्द्र सिंह पारस वर्मा एवं वार्ड पार्षद प्रमोद झंझाडे तथा अधिकारियो के साथ पैदल भ्रमण कर बस चालक, परिचालक तथा दुकानदारो से व्यवस्था संबंधी चर्चा किए। वही उन्होंने गौरव स्थल निरीक्षण कर उसके उन्नयन के लिए अधिकारियो को दिशा निर्देश दिए।

महापौर यादव आज आकस्मिक रूप से बस स्टैण्ड पहुच व्यवस्था का जायजा लिए। उन्होंने बस स्टैण्ड की समस्या के संबंध में दुकानदारो व चालक, परिचालक से चर्चा किए। बस स्टैण्ड में मरम्मत करने तथा कंडम बस को हटाने की मांग की गयी। इस पर महापौर ने निगम के अधिकारियो से कहा कि सर्व प्रथम कंडम खडी बसो को हटाने परिवहन विभाग को पत्र लिखा जाए। इसके अलावा परिसर एवं उसके आस पास व्यापक साफ सफाई कराने स्वास्थ्य अमला को निर्देशित किए। उन्होने कहा कि बस स्टैण्ड सार्वजनिक स्थल है, यहा नियमित रूप से साफ सफाई हो इसका विशेष ध्यान रखा जाए।

महापौर ने तकनीकि अधिकारियो से कहा कि सुरक्षा की दृष्टिकोण से परिसर की सभी खुली स्थल को घेरा करना है। उन्होंने परिसर में आवश्यक मरम्मत करने के भी निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि संबंधित अधिकारी समय समय पर निरीक्षण कर आवश्यक व्यवस्था सुनिश्चित करे। किसी प्रकार की परेशानी व कमी पर उच्च अधिकारी को अवगत करा समाधान करे। उन्होंने कहा कि बस स्टैण्ड सार्वजनिक एवं महत्वपूर्ण स्थल है, यहा की व्यवस्था को बनाए रखना हमारी जिम्मेदारी है।

निरीक्षण की कड़ी में महापौर यादव ने गौरव स्थल का जायजा लेकर उसके उन्नयन हेतु आवश्यक दिशा निर्देश दिए। उन्होंने टुटे मार्बल की जगह नया मार्बल लगाने, रेलिंग मरम्मत करने तथा मार्बल में पालिस करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि शहीदो के नाम एवं परिचय को पुन: रंग रोगन कर उभारा जाए तथा फ्लोर की पेंटिंग की जाए। उन्होंने गौरव स्थल की सफाई के अलावा प्रकाश व्यवस्था दुरूस्त करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि जय स्तम्भ चैक के तिरंगा झंडा को गौरव स्थल में शिफ्ट कर लगाया जाए। गौरव स्थल हमारे शहीदो की याद दिलाती है। इसका देख रेख एवं उचित रख रखाव हमारी महती जवाबदारी है। निरीक्षण के दौरान कार्यपालन अभियंता (संविदा) यू.के.रामटेके, प्र.कार्यपालन अभियंता प्रणय मेश्राम, प्र.सहायक अभियंता सुसुषमा साहू, उप अभियंता तिलक राज ध्रुव, प्र.स्वास्थ्य अधिकारी राजेश मिश्रा सहित तकनीकि व स्वास्थ्य अमला उपस्थित थे ।

छापरटोली में सोलर हाई मास्ट लाइट स्थापना का हुआ भूमि पूजन

जशपुरनगर । मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के दूरदर्शी नेतृत्व में प्रदेश में शहरों से लेकर गांवों तक बेहतर आधारभूत सुविधाएं विकसित करने के साथ-साथ सुदृढ़ विद्युत एवं प्रकाश व्यवस्था सुनिश्चित करने के लिए लगातार कार्य किए जा रहे हैं। ग्रामीण क्षेत्रों में विद्युत अधोसंरचना के विस्तार, नए विद्युत उपकेंद्रों के निर्माण, विद्युत लाइनों के सुदृढ़ीकरण, ट्रांसफार्मरों की पर्याप्त उपलब्धता तथा नवीकरणीय ऊर्जा के उपयोग को प्राथमिकता दी जा रही है। जिले में आवश्यकता के अनुरूप नए विद्युत उपकेंद्र स्थापित किए गए हैं। इसके साथ ही कुनकुरी विकासखंड के हर्राडांड़ में 400 केवी सब-स्टेशन सहित अन्य विद्युत उपकेंद्रों का निर्माण कार्य भी प्रगति पर है। इन प्रयासों से जिले में विद्युत आपूर्ति और अधिक सुदृढ़ एवं विश्वसनीय बन रही है।

इसी क्रम में कुनकुरी विकासखंड के ग्राम पंचायत जामचुंवा के छापरटोली में छत्तीसगढ़ शासन द्वारा स्वीकृत सोलर हाई मास्ट लाइट के स्थापना कार्य का विधिवत भूमि पूजन संपन्न हुआ। कार्यक्रम में जनप्रतिनिधियों एवं बड़ी संख्या में ग्रामीणजन उपस्थित रहे। इस अवसर पर जनप्रतिनिधियों ने कहा कि सोलर हाई मास्ट लाइट स्थापित होने से छापर टोली सहित आसपास के क्षेत्र में रात्रिकालीन प्रकाश व्यवस्था बेहतर होगी। इससे ग्रामीणों को आवागमन में सुविधा मिलेगी, साथ ही सुरक्षा व्यवस्था भी और अधिक सुदृढ़ होगी। उन्होंने कहा कि नवीकरणीय ऊर्जा आधारित यह पहल ग्रामीण विकास और पर्यावरण संरक्षण की दिशा में भी महत्वपूर्ण कदम है।

नई पीढ़ी वॉट्सएप के दौर से इंस्टाग्राम के दौर में आ चुकी है

दिल्ली के जंतर-मंतर पर जेन-जी कहलाने वाले युवाओं के आंदोलन के बाद शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान का इस्तीफा तो हुआ ही, प्रधानमंत्री को यह भी समझ में आया कि इस पीढ़ी से जुड़ना है तो इंस्टाग्राम पर आना होगा। उन्होंने लगातार तीन दिन इंस्टाग्राम पर वीडियो जारी किए और अपने मंत्रियों को भी कहा कि वे इंस्टाग्राम पर आएं। यह अच्छी बात है कि प्रधानमंत्री की बदलते माध्यमों पर इतनी गहरी नजर है और उसके अनुसार खुद को ढाल सकने की क्षमता भी।

यह सच है कि नई पीढ़ी अब वॉट्सएप के दौर से बाहर आकर इंस्टाग्राम के दौर में दाखिल हो चुकी है। इन दोनों कालखंडों में एक गुणात्मक अंतर है। वॉट्सएप पर जो पीढ़ियां सक्रिय हैं, वे एक नकली इतिहास का बोझ लेकर चल रही हैं, तरह-तरह के दुश्मनों की तलाश में रहती हैं और अंततः उन्होंने इसे झूठ और नफरत फैलाने वाले माध्यम में बदल डाला है। परिवारों के वॉट्सएप समूहों, राजनीतिक दलों के आईटी सेल द्वारा प्रसारित संदेश और वीडियो- इन सबको देखिए तो सबमें बहुत तीखी अल्पसंख्यक विरोधी धारणा, उथली किस्म की धार्मिकता और अमूर्त सामाजिक चिंताएं मिला करती हैं।

लेकिन इंस्टाग्राम वाली पीढ़ी इससे अलग है। वह अतीत के बेमानी बोझ से मुक्त है। वह नाचती-गाती है, मीम बनाती है, पिटती है तो रोती है और फिर अपनी जिद के साथ पिटने के लिए पहुंच जाती है। उसमें पुरानी पीढ़ियों वाला असुरक्षा बोध नहीं है और उसकी जगह एक गहरा और बेपरवाह किस्म का आत्मविश्वास है। वह अपना दफ्तर और अपनी दुनिया अपने कंधों पर लैपटॉप की शक्ल में लेकर चलती है और कॉफी हाउस से लेकर जंतर-मंतर तक पर फटाफट अपने काम भी पूरे जतन से निबटाती रहती है।

दिल्ली के जंतर-मंतर पर इन अनुशासित युवाओं को देखना एक अलग तरह का अनुभव था। वे जगह साफ रखने के लिए झाड़ू लगा रहे थे, कचरा उठा रहे थे, अपने पैसे से खाने-पीने का सामान लाकर बांट रहे थे और यहां तक कि आने-जाने वालों पर हाथ का पंखा भी झल रहे थे, ताकि गर्मी से निजात मिले न मिले, पर सबको लगे कि उनकी फिक्र की जा रही है।

बहुत सारे लोगों को इस जेन-जी की भाषा पर ऐतराज है, जो एक हद तक उचित भी है। हमारी पीढ़ी जिन संस्कारों में पली है, उनमें गालियां हमारे कान लाल कर देती हैं। लेकिन इन बच्चों के जीवन में हमारे समय वाली नैतिकता नहीं है। बचपन से उनके हाथ में स्मार्टफोन है और किशोर होते-होते इस फोन पर ओटीटी प्लेटफॉर्म्स के सब्स्क्रिप्शंस हैं, जहां दुनिया भर की यौन-उच्छृंखलता वाली सामग्री मिलती है- गालियां भी। तो गालियों को लेकर उनके भीतर हमारे मुकाबले कहीं ज्यादा अकुंठ भाव है- उन्हें सजावटी शराफत की परवाह नहीं है। फिर ऐसा भी नहीं है कि इस पीढ़ी के सारे के सारे बच्चे इस गाली-गलौज वाली भाषा में बात करते हैं। सच तो यह है कि जंतर-मंतर पर लगने वाले निन्यानवे फीसदी नारे और दिखने वाले इतने ही पोस्टर बहुत ही सूझबूझ और कल्पनाशीलता से लैस मिलते रहे। लेकिन जो एक फीसदी या उससे भी कम का हाशिए पर पड़ा तमाशा है, उसको कुछ इस तरह प्रचारित किया गया है कि यही जेन-जी की भाषा है।

तो वॉट्सएप युग और इंस्टाग्राम युग का जो सबसे बड़ा अंतर है, वह यह कि वॉट्सएप पर अगर नफरत की दुकानें चलती थीं तो इंस्टाग्राम पर मोहब्बत के तराने गूंज रहे हैं। इस इंस्टाग्राम पीढ़ी ने हिंदू-मुसलमान वाले नैरेटिव को बुरी तरह नकार दिया है।

जंतर-मंतर से आई रीलें देखिए तो यह बात बहुत खुलकर उभरती है कि इस पीढ़ी को साम्प्रदायिकता के खेल से मतलब नहीं है। इस ढंग से देखें तो यह आंदोलन पेपर-लीक के खिलाफ और धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे से ज्यादा अपने समय और समाज के गहरे असंतोष को व्यक्त करता दिखा है। वॉट्सएप दौर ने जो छवियां बनाईं, उसको इंस्टाग्राम का दौर चूर-चूर करता दिख रहा है। यह कुछ के लिए राहत और कुछ के लिए चिंता की बात है। लेकिन नई पीढ़ी वॉट्सएप दौर से बाहर आकर इंस्टाग्राम के दौर में दाखिल हो चुकी है। और इन दोनों में गुणात्मक अंतर है।

(ये लेखक के अपने विचार हैं)

अब उग्रवादी संगठनों के पास भी है देशों जैसी सैन्य ताकत

पश्चिम एशिया के संदर्भ में हूती उग्रवादी शायद ही कभी चर्चा का केंद्र बनते हैं। वे तभी सुर्खियों में आते हैं, जब इजराइल पर मिसाइलें दागी जाती हैं, लाल सागर में व्यावसायिक जहाजों पर हमले होते हैं या यमन में उनके ठिकानों पर हमले होते हैं। उन्हें ईरान का प्रॉक्सी भर मान लिया जाता है। पर यह आकलन उनकी रणनीतिक अहमियत को समझाने में सक्षम नहीं।

हूती अब एक स्थानीय उग्रवादी संगठन से बदलकर दुनिया का सबसे प्रभावशाली नॉन-स्टेट सैन्य संगठन बन चुके हैं। उन्होंने बड़ी नौसैनिक ताकतों को चुनौती देने, व्यस्ततम समुद्री मार्गों में से एक को बाधित करने और लंबी दूरी तक अपनी सैन्य शक्ति के प्रदर्शन की क्षमता दिखाई है, जो पहले केवल सम्प्रभु देशों के पास होती थी। आधुनिक वॉरफेयर की बदलती प्रकृति को समझने के लिए अब हूतियों को समझना भी जरूरी है।

हूती संगठन 1990 के दशक के दौरान उत्तरी यमन में एक सामाजिक-धार्मिक मुहिम के तौर पर उभरा था। यमन की लंबी अस्थिरता ने इसे शक्तिशाली सशस्त्र संगठन बना दिया। 2014 में राजधानी सना पर उनके कब्जे के बाद गृहयुद्ध छिड़ गया था, जिसमें सऊदी अरब, यूएई और अप्रत्यक्ष रूप से ईरान भी शामिल हो गया। आज उत्तरी यमन के बड़े हिस्से पर हूतियों का नियंत्रण है। वे किसी उग्रवादी संगठन की तरह कम और गवर्निंग अथॉरिटी की भांति अधिक काम करते हैं।

इसमें संदेह नहीं कि हूतियों को मिसाइल और ड्रोन तकनीक, प्रशिक्षण, खुफिया और राजनीतिक सहायता देकर उनकी सैन्य क्षमता बढ़ाने में ईरान की भूमिका निर्णायक रही है। फिर भी, दोनों के रिश्ते को सीधे नियंत्रण के बजाय रणनीतिक साझेदारी के रूप में बेहतर समझा जा सकता है।

हूती लगातार ऐसे उद्देश्यों के लिए काम कर रहे हैं, जो ईरान के क्षेत्रीय हितों के अनुरूप तो हैं, लेकिन जरूरी नहीं कि ऐसा वे सीध तेहरान के निर्देशों पर कर रहे हों। हालिया ईरान युद्ध ने इसी हकीकत को उजागर किया। 'एक्सिस ऑफ रेसिस्टेंस' अब केंद्रीय तौर पर नियंत्रित किसी गठबंधन के बजाय साझेदारों के नेटवर्क जैसा दिखाई देता है।

हूतियों की अहमियत महज उनकी विचारधारा नहीं, बल्कि उनकी भौगोलिक स्थिति में भी निहित है। उनका दबदबा बाब-अल-मंदेब स्ट्रेट पर है, जो लाल सागर को अदन की खाड़ी और हिंद महासागर से जोड़ने वाला संकरा समुद्री मार्ग है। स्वेज नहर का उपयोग करने वाले सारे जहाज इसी रास्ते से गुजरते हैं।

ऐसे में हूतियों का समर्थन करके ईरान ने नौसेना बनाने में खर्च किए बगैर ही दुनिया के सबसे महत्वपूर्ण समुद्री मार्गों में से एक पर अपना अप्रत्यक्ष दबाव कायम कर लिया। हूतियों की अत्याधुनिक सैन्य क्षमता उन्हें दूसरे उग्रवादी संगठनों से अलग बनाती है।

उनके पास बैलिस्टिक और क्रूज मिसाइलें, सशस्त्र ड्रोन, एंटी-शिप मिसाइलें, अनमैन्ड सर्फेस वेसल्स और समुद्री बारूदी सुरंगें हैं। इससे भी अहम यह है कि उन्होंने बार-बार इन हथियारों का प्रभावी प्रदर्शन किया है। व्यावसायिक जहाजों पर उनके हमलों के कारण अनेक जहाजों को दिशा बदल कर केप ऑफ गुड होप होकर जाना पड़ता है। इससे ढुलाई लागत, बीमा प्रीमियम और वैश्विक सप्लाई चेन में सामान पहुंचने का समय बढ़ गया है। बिना किसी नौसेना या वायुसेना के बहुत कम नॉन-स्टेट संगठन ऐसा व्यापक असर डाल पाए हैं।

भारत के लिए हूतियों का अनुभव एक महत्वपूर्ण रणनीतिक सबक देता है। भारत ने अपने सतत राजनीतिक, सैन्य और खुफिया प्रयासों के जरिए सीमाओं पर ऐसे खतरों को काफी हद तक निष्प्रभावी किया है। फिर भी बदलती भू-राजनीति निष्क्रिय नेटवर्कों को फिर सक्रिय कर सकती है। बाहरी समर्थन से उनकी युद्ध-क्षमता तेजी से बढ़ सकती है। हूती हमें याद दिलाते हैं कि भविष्य की सुरक्षा चुनौतियां ऐसे नॉन-स्टेट संगठनों से भी पैदा हो सकती हैं, जो सीमाओं और पारंपरिक युद्धक्षेत्रों से परे सक्रिय हैं। केवल सैन्य कार्रवाई से हूतियों का सफाया नहीं किया जा सकता। वर्षों तक सऊदी अरब के नेतृत्व वाले सैन्य अभियान और बाद में अमेरिका-ब्रिटेन के हमलों ने उनकी सैन्य क्षमताओं नुकसान पहुंचाया, लेकिन उन्हें युद्ध का अधिक अनुभव भी दे दिया।

(ये लेखक के अपने विचार हैं)

ईमानदार नहीं होने पर ईमानदार बनाना पड़ता है

आदमी ईमानदार होता है तो उसे ईमानद्म बनाने की जरूरत नहीं होती है। आदमी ईमानदार नहीं होता है तो उसे ईमानदार बनाना पड़ता है। आदमी ईमानदार होता है तो घर,समाज व सरकार को किसी तरह की परेशानी नहीं होती है,क्योंकि वह अपना काम ईमानदारी से करता है,ईमानदारी से काम किया जाता है तो काम के परिणाम अच्छा होता है यानी काम के परिणाम से ही पता चल जाता है कि काम करने वाला काम के प्रति कितना ईमानदार है।इसी तरह जब आदमी ईमानदार नहीं होता है तो वह काम भी ईमानदारी से नहीं करता है।इस वजह से उसके काम का रिजल्ट भी अच्छा नहीं आता है।उसके काम के रिजल्ट से पता चल जाता है कि वह काम ईमानदारी से नहीं कर रहा है। आदमी ईमानदार नहीं है तो उसे घर हो,समाज हो,सरकार हो वह उसे कई तरह से ईमानदार बनाने का प्रयास करते है।घर वाले डांटते हैं,समझाते हैं,समाज वाले भी कई तरह के आयोजन कर समझाते हैं कि ईमानदार होने के क्या फायदे हैं और ईमानदार न होने के क्या नुकसान है।

इसके बाद सरकारी दफ्तर हो या निजी संस्थान वहां भी पहले तो समझाया जाता है ईमानदारी के अपना काम करो।समय पर दफ्तर आओ,लोग समय पर दफ्तर आते और अपना काम ईमानदारी से करते तो आज भी हर सरकारी दफ्तर व निजी दफ्तर में एक रजिस्टर होता जिसमें लोग समय पर दस्तखत करके और आने का समय डाल देते और मान लिया जाता कि कर्मचारी समय पर आकर अपना काम कर रहा है। समय के साथ लोग दफ्तर आने व काम के प्रति ईमानदार नहीं रहे तो उनको ईमानदार बनाने के प्रयास शुरु हुए। यानी तुम ईमानदार नहीं हो तो हम तुमको ईमानदार बनाएंगे। जब आदमी ईमानदार नहीं रह जाता है और उसे ईमानदार बनाने का प्रयास किया जाता है तो वह विरोध करता है लेकिन वह जितना विरोध करता है और बेईमानी करने का प्रयास करता है तो उसे ईमानदार बनाने के प्रयास और कड़े होते जाते हैं। पहले दस मिनट देरी हो जाती थी तो ध्यान नहीं दिया जाता था तब हाजिरी के लिए दफ्तर में अंगूठा लगाने वाला मशीन लगा दी गई यानी पर जिस वक्त अंगूठा लगाएंगे तो मशीन समय दर्ज करेगी और यह बतायेगी कि आप लेट आए हो या समय पर आए हो। दफ्तर से गए तो कब गए।

बहुत सारे लोग आज भी काम के प्रति ईमानदार नहीं हैं इसलिए आज भी लोगों को नई नई तकनीक के जरिए ईमानदार बनाने का प्रयास किया जा रहा है। चाहे सरकारी दफ्तर हो या निजी संस्थान आज तो आन लाइन व एप के जरिए उपस्थिति दर्ज कराई जा रही है। तकनीक के कारण आदमी जितनी बेईमानी पहले कर लेता था आज नहीं कर पा रहा है तो तकनीक का ही विरोध करता है और तकनीक से बचने के लिए वह कई तरह के बहाने बनाता है। राशन दुकान वाले तकनीक के कारण पहले की तरह धांधली नहीं कर पाते हैं तो तकनीक के विरोध के कई बहाने बनाते है। दफ्तर में काम करने वाले तकनीक के कारण पहले की तरह घूस नहीं ले पाते हैं तो वह लोगों को समय पर खुद काम नहीं करते हैं और उसका दोष तकनीक पर डालते हैं ताकि लोग सरकार से शिकायत करें कि तकनीक के कारण उनका काम जल्दी नहीं होता है।शिक्षा विभाग में भी शिक्षकों के समय पर स्कूल नहीं आने, रोज स्कूल नहीं आने, अपनी जगह किसी दूसरे को पढ़ाने भेजने आदि कई तरह की बेईमानी को देखते हुए यह व्यवस्था की गई है कि वह एक एप के जरिए अपनी उपस्थिति दर्ज कराएं।

जैसे बाकी लोग तकनीक के कारण बेईमानी नहीं कर पाते हैं वैसे ही वे शिक्षक जो अपना काम ठीक से नहीं कर रहे हैं,स्कूल समय पर नहीं आते है, कई दिन स्कूल नहीं आते हैं लेकिन वेतन सभी दिनों को लेते हैं। ऐसे शिक्षकों सुधारने के लिए,ईमानदार बनाने के लिए शिक्षा विभाग में व्यवस्था बनाई गई है कि अब सभी शिक्षकों को एप के माध्यम से उपस्थित दर्ज करानी है,यह शिक्षको को उनके संगठन को पसंद नहीं आ रहा है और उन्होंने कई बहानों से इसका विरोध शुरू कर दिया है क्योंकि तकनीक के जरिए तो उनको उतने ही दिन का वेतन मिलेगा जितने दिन उन्होंने एप के माध्यम से उपस्थिति दर्ज कराई है। शिक्षकों की आदत हो गई है कि वह काम करें या करे उनको पूरे तीस दिन का वेतन मिलना चाहिए।अब तकनीक के कारण उनको उतने ही दिन का वेतन मिलेगा जितने दिन स्कूल जाएंगे,काम करेंगे तो उनको बुरा लग रहा है।

यह सच है कि नेटवर्क व एप की अपनी समस्या हो सकती है लेकिन इनका उपयोग वास्तव शिक्षकों को परेशान करने के लिए नहीं किया जा रहा है, इनका उपयोग इसलिए करना पड़ रहा है कि शिक्षकों के काम करने को जो समय है,वह समय पर स्कूल आए और अपना काम करें।यह नहीं होता है खास कर दूरस्थ इलाकों में कई कई दिन शिक्षक स्कूल नही जाते है और किसी को पता नहीं रहता है कि शिक्षक क्यों स्कूल नहीं आ रहा है।किसी जगह नेटवर्क की समस्या है, एप की समस्या है तो वहां पर वैकल्पिक तकनीक का उपयोग किया जा सकता है।

एक दुष्चक्र में फंस गए हैं देश के स्टूडेंट्स

धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे के बाद प्रदर्शनकारी अपने घर लौट गए हैं, लेकिन युवाओं की परेशानियां अभी खत्म नहीं होंगी। आज के समय में भारतीय बच्चों का बचपन सबसे ज्यादा तनाव भरा और प्रतियोगिता वाला बन गया है। 'नीट' को ही लें। इस साल 22 लाख बच्चों ने परीक्षा दी।

5 फीसदी को एमबीबीएस की 1,39,489 सीटों के लिए चुना गया। इनके अलावा 25-35 हजार बच्चे एमबीबीएस की पढ़ाई के लिए विदेश जाएंगे- खासतौर से यूरोप, फिलिपींस और बांग्लादेश तक। ये अगर लौटकर भारत में डॉक्टरी करना चाहेंगे तो उन्हें नीट में 50% अंक के कट-ऑफ से ज्यादा नंबर लाने होंगे। यह बताता है कि हमारे यहां डॉक्टरों की कमी क्यों है।

इसके बाद भी 20 लाख बच्चे बचे रहते हैं। उनमें से कई ने कॉमन यूनिवर्सिटी एंट्रेंस टेस्ट भी दिया होगा, ताकि वे केंद्रीय विश्वविद्यालयों और उनके कॉलेजों में दाखिला ले सकें, जिनमें आगे की अपनी चुनौतियां हैं। इनके अलावा कई लाख दूसरे बच्चे इंजीनियरिंग कॉलेजों में दाखिले के लिए जेईई की परीक्षा दे रहे होंगे। लेकिन इस पहली सीढ़ी को पार कर लेने के बाद भी प्रतियोगी परीक्षाओं से मुक्ति नहीं मिलती, चाहे पोस्ट-ग्रेजुएशन करना हो या पीएचडी, टीचिंग के जॉब हों या और कुछ।

भारतीय मध्यवर्ग या इससे नीचे के परिवारों के बच्चे 15 साल की उम्र से ही कोचिंग क्लासों, कॉम्पीटिशन, पेपर-लीक और फिर से परीक्षा देने के अंतहीन जाल में उलझ जाते हैं। अब आप समझ सकते हैं कि इतनी बड़ी तादाद में बच्चे और कई तो अपने अभिभावक समेत जंतर-मंतर पर क्यों इकट्ठा हुए थे। बच्चों के पास पढ़ाई के अलावा दूसरी गतिविधियों तक के लिए समय नहीं है। फिर भी हम पूछते हैं कि खेलों में हम इतने पीछे क्यों हैं?

इस पेंच को समझने के लिए जरा उस खेल के खिलाड़ियों के स्वरूप पर नजर डालिए, जिसमें हमें विश्व स्तरीय प्रतिभाएं मिल रही हैं। क्रिकेट में हर फॉर्मेट के अलावा आईपीएल से लेकर दर्जनों दूसरी स्थानीय लीगों में प्रायः हर फ्रेंचाइजी में आपको कॉलेज की ग्रेजुएट की पढ़ाई कर चुका कोई खिलाड़ी शायद ही मिलेगा। ये प्रतिभाएं दसवीं क्लास के स्तर पर ही चुन ली जाती हैं। वैभव सूर्यवंशी इसके ज्वलंत उदाहरण हैं।

हमारी शिक्षा व्यवस्था बच्चों पर रटंत विद्या का बोझ डालकर और प्रतियोगी परीक्षाओं में 'बाजी मारने' के लिए धकेलकर तमाम प्रतिभाओं का गला घोंट देती है। इस तरह हम ऐसे आक्रोशितों की पीढ़ियां तैयार कर रहे हैं, जो खुद को उपेक्षित और पीड़ित महसूस करती हैं। किसी मंत्री को बदलने से इस सामूहिक दमन का समाधान नहीं होने वाला। इसे जड़ से समाप्त करना होगा!

नीट से पहले तमाम राज्यों ने दाखिले की अपनी परीक्षाएं और प्रक्रियाएं लागू कर रखी थीं और स्कूली बच्चों को इस राष्ट्रीय दबाव से निजात मिली हुई थी। केंद्र सरकार भी बड़े पैमाने पर परीक्षाएं आयोजित करने के खतरों से बची हुई थी। लेकिन सरकार देश भर में उच्च शिक्षा को अपने और कड़े नियंत्रण में लेने के लिए नया कानून बनाने को तैयार बैठी है। 'विकसित भारत शिक्षा अधिष्ठान विधेयक, 2025' क्या कहता है? इसमें कहा गया है कि उच्च शिक्षा आयोग और तीन नियमन परिषदों का गठन किया जाएगा, जिनमें यूजीसी, एआईसीटीई और एनसीटीई आदि को समाहित कर दिया जाएगा और ये विश्वविद्यालयी, तकनीकी तथा शिक्षक आदि की शिक्षा की निगरानी करेंगे। शुक्र मनाइए कि संसद की स्थायी कमिटी ने इस पर फिलहाल रोक लगा दी है।

सरकार ने 'सोसाइटीज रजिस्ट्रेशन एक्ट' के तहत एनटीए के गठन के साथ केंद्रीकरण करने में जो सफलता हासिल की थी, उसे मुकम्मल करने के लिए नीट का गठन किया गया था। माना जाता है कि एनटीए ही नीट, जेईई, यूजीसी-नेट (रिसर्च) और केंद्रीय विश्वविद्यालयों में अंडर-ग्रेजुएट तथा पोस्ट-ग्रेजुएट कोर्स में दाखिले के लिए कॉमन यूनिवर्सिटी एंट्रेंस टेस्ट परीक्षाओं का आयोजन करेगा। यह महज एक 'सोसाइटी' को बहुत भारी अधिकार देने का मामला है। सत्ता के अति-केंद्रीकरण की कीमत सरकार को चुकानी पड़ रही है।

शिक्षा संस्थानों के मुनाफे को वैधता दीजिए और सैकड़ों और कॉलेजों को स्थापित होने दीजिए। और मैं तो इमरजेंसी दौर के 42वें संविधान संशोधन को रद्द करने तक की बात करूंगा, जिसने शिक्षा को समवर्ती विषयों की सूची में डाल दिया था। इस तरह राज्यों की स्वायत्तता बहाल कीजिए। हम कह सकते हैं कि यह सब नहीं किया जाएगा, लेकिन सुझाव देने में क्या हानि है?

जड़ से इलाज जरूरी है...

मंत्री तो आते-जाते रहेंगे, लेकिन अगर आप समस्या का जड़ से इलाज करना चाहते हैं तो नीट से शुरू कीजिए। सभी तकनीकी शिक्षा में दाखिले का विकेंद्रीकरण कीजिए और राज्यों को उनकी स्वायत्तता वापस दीजिए। एनटीए को खत्म कीजिए और सैकड़ों और कॉलेजों को स्थापित होने दीजिए। **(ये लेखक के अपने विचार हैं)**

वर्षा जल सहेजने के साथ ही पानी के लीकेज को रोकना भी महत्वपूर्ण है

करन सिंह होरा
संपादक
साकार भारत

हममें से अधिकतर लोगों ने थर्मल कैमरा लगे किसी ड्रोन को अपने ऊपर उड़ते नहीं देखा होगा। करीब 70 मीटर की ऊंचाई से यह जमीन पर तापमान में हुए बेहद मामूली बदलाव को भी डिटेक्ट कर लेता है। अगर कहीं सीवेज लीक है तो वहां जमीन गर्म होगी, कहीं पानी लीकेज है तो वो हिस्सा ठंडा होगा।

यह ड्रोन सिर्फ शहरों ही नहीं, बल्कि हरे-भरे खेतों और चरागाहों के ऊपर भी उड़ता है। इसमें लगा इंडेक्स कैमरा फसलों की बढ़त को मैप करता है और इसमें हुए सामान्य से बदलाव को भी पकड़ लेता है। यदि कहीं लंबे समय से पानी का लीकेज है तो वहां फसलों की ग्रोथ में बदलाव दिखने लगता है। कुछ ड्रोन ऐसे भी हैं, जिन्हें 'केज ड्रोन' कहते हैं।

ये पानी की बड़ी पाइपलाइनों के भीतर उड़ते हैं और प्रेशर में हुए बदलाव को पहचानते हैं। यह सामान्य ड्रोन जैसा ही होता है, लेकिन इसमें प्रोपेलर और बॉडी के चारों ओर 360 डिग्री का कार्बन फाइबर या प्लास्टिक केज लगा होता है। ये 'ड्रोन इन अ बॉक्स' रिमोटली ऑपरेटेड मशीनें हैं, जो यूके में घरों में पेयजल सप्लाई करने वाली कंपनियों द्वारा दूरदराज के इलाकों में किसी थंडरवर्ड की भांति उड़ाई जाएंगी, ताकि ऐसे बदलावों की पहचान की जा सके।

कुछ अधिकारियों का अपने वर्कप्लेस पर 'केआरए' (की-रिजल्ट एरिया) ही यही होता है कि लोगों के नलों तक पानी पहुंचता रहे। चूंकि पाइपलाइनें अलग-अलग वर्षों में बिछाई जाती हैं तो समय-समय पर इन्हें अपग्रेड करने और कई जगह तुरंत मरम्मत करने की जरूरत पड़ती है। ऐसे में यह नई तकनीक उनकी मददगार बनती है।

हाल ही में उन्होंने 'एक्वारिया' नाम की किसी चीज का ट्रायल किया। ब्लूबैक जैसे इस पदार्थ को पाइप में इन्जेक्ट किया जाता है, जो प्रेशर के जरिए लीकेज वाले छेद में पहुंच कर उसे सील कर देता है।

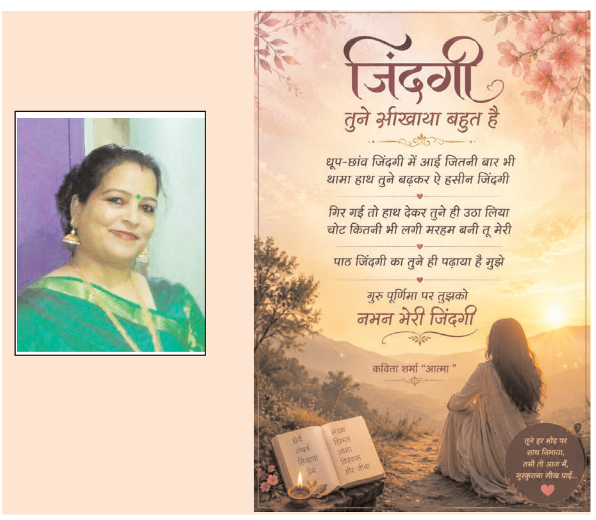

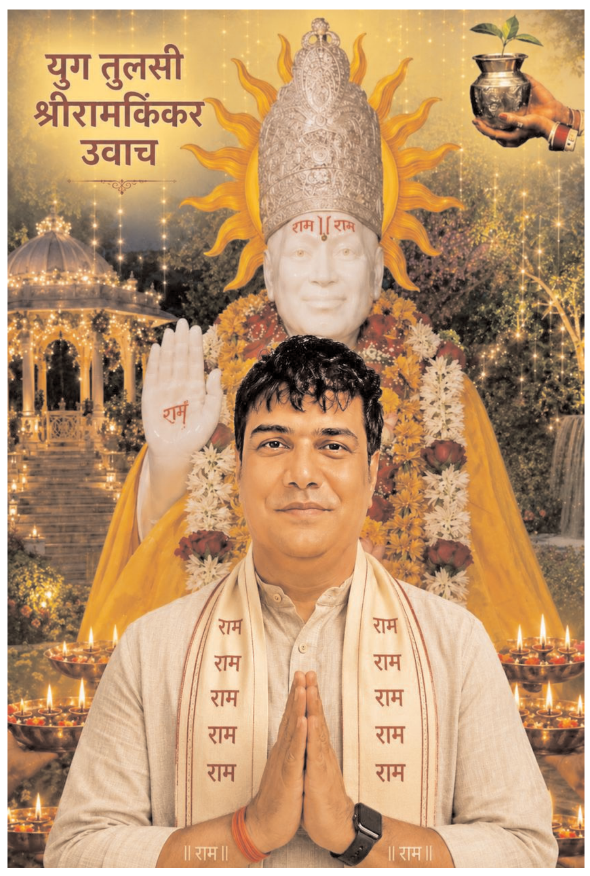

युग तुलसी श्रीरामकिंकर उवाच ...

रामायण में दो तरह के संवाददाता हैं - एक मंथरा की तरह तथा दूसरे हनुमानजी की तरह। हनुमानजी के संवाद देने की कला जोड़ने वाली है। यदि सीता और राम दूर-दूर है तो श्रीहनुमानजी दोनों के पास जाकर एक दूसरे का पक्ष लेकर प्रेम की ऐसी बात करते हैं कि जिससे

दोनों के हृदय को निकट ला देते हैं तथा दोनों हनुमानजी के प्रति गदगद हो जाते हैं। घटना सुनाने की एक कला यह है, और दूसरी कला मंथरा की है।

शिष्य विशु व्ही.पी. नेगी
श्री रामकिंकर आध्यात्मिक मिशन रायपुर
मो.नं. 9425227937

विश्व हेपेटाइटिस दिवस पर जागरूकता अभियानः2030 तक हेपेटाइटिस बी और सी खत्म करने का लक्ष्य, स्वास्थ्य विभाग ने जांच कराने की अपील की

रायपुर। विश्व हेपेटाइटिस दिवस पर रायपुर जिले में जागरूकता संगोष्ठी, निःशुल्क जांच शिविर, टीकाकरण अभियान और रैलियों का आयोजन किया गया। राष्ट्रीय वायरल हेपेटाइटिस नियंत्रण कार्यक्रम के तहत आयोजित इस अभियान का उद्देश्य लोगों को हेपेटाइटिस के प्रति जागरूक करना और समय पर जांच व उपचार के लिए प्रेरित करना रहा। इस वर्ष विश्व स्वास्थ्य संगठन (ड्ढ।ह्ल) ने दिवस की थीम 'हेपेटाइटिसः आइए इसे खत्म करें' रखी है, जिसका लक्ष्य वर्ष 2030 तक हेपेटाइटिस बी और सी के मामलों को समाप्त करना है।

मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. मिथिलेश चौधरी ने बताया कि जिले के सभी शासकीय अस्पतालों, सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों, मेडिकल कॉलेजों और सिविल अस्पतालों में निःशुल्क जांच और टीकाकरण की सुविधा उपलब्ध कराई गई। उन्होंने कहा कि असुरक्षित इंजेक्शन, संक्रमित सुई और समय पर जांच न होने से लिवर सिरोसिस और लिवर कैंसर जैसी गंभीर बीमारियां हो सकती हैं। उन्होंने गर्भवती महिलाओं की नियमित जांच और नवजात शिशुओं को जन्म के 24 घंटे के भीतर हेपेटाइटिस-बी का टीका लगवाने की सलाह दी।

लक्षण दिखने पर तुरंत जांच कराएं

आईडीएसपी नोडल अधिकारी डॉ. विमल किशोर राय ने बताया कि हेपेटाइटिस ए और ई दूषित पानी व भोजन से फैलता है, जबकि हेपेटाइटिस बी और सी संक्रमित रक्त, असुरक्षित इंजेक्शन और असुरक्षित यौन संबंध के कारण फैल सकता है। उन्होंने कहा कि हेपेटाइटिस-बी का टीका उपलब्ध है और साफ पानी, स्वच्छता तथा सुरक्षित स्वास्थ्य आदतें अपनाकर संक्रमण से बचाव किया जा सकता है।

स्वास्थ्य विभाग ने लोगों से अपील की है कि बुखार, पीलिया, कमजोरी या भूख न लगने जैसे लक्षण दिखने पर तुरंत जांच कराएं। विभाग का संदेश है कि 'जांच कराएं, इलाज कराएं और हेपेटाइटिस को हराएं।' कार्यक्रम में स्वास्थ्य विभाग के वरिष्ठ अधिकारी, विशेषज्ञ चिकित्सक और विभिन्न कार्यक्रमों के नोडल अधिकारी मौजूद रहे।

किराए पर उपलब्ध है
तेलीबांधा शीतल कॉम्प्लेक्स में दुकान/ऑफिस के लिए जगह किराए पर उपलब्ध है।
संपर्क-9302222222

रायपुर के मेडिकल स्टोर्स में पुलिस-औषधि विभाग की सरप्राइज चेकिंग...

30 से ज्यादा दुकानों की जांच, बिना प्रिस्क्रिप्शन प्रतिबंधित दवा बेचने पर सख्ती

रायपुर। रायपुर में नशे के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत पुलिस और औषधि विभाग ने मेडिकल स्टोर्स पर सरप्राइज चेकिंग की।

कमिश्नरेट पुलिस और औषधि विभाग की संयुक्त टीम ने शहर के तीन दर्जन से ज्यादा मेडिकल स्टोर्स की जांच की।

इस दौरान प्रतिबंधित और नशे के लिए इस्तेमाल होने वाली दवाओं की बिक्री से जुड़े दस्तावेज और प्रिस्क्रिप्शन की जांच की गई।

अब पढ़े पुलिस अधिकारियों ने क्या कहा

कोतवाली प्रभारी निरीक्षक सतीश सिंह ने बताया, कि अधिकारियों को लगातार शिकायतें मिल रही थीं कि कुछ मेडिकल स्टोर्स पर बिना डॉक्टर के प्रिस्क्रिप्शन के नियमों के विपरीत ऐसी दवाएं बेची जा रही हैं।

जिनका इस्तेमाल नशे के लिए किया जा सकता है। शिकायतों को गंभीरता से लेते हुए पुलिस और औषधि विभाग ने संयुक्त रूप से मेडिकल स्टोर्स को रडार पर लिया।

जांच के दौरान टीम ने दवा बिक्री से संबंधित रिकॉर्ड, बिल, स्टॉक और प्रिस्क्रिप्शन की जानकारी देखी। साथ ही मेडिकल संचालकों को नियमों का पालन करने और बिना वैध प्रिस्क्रिप्शन के प्रतिबंधित दवाएं नहीं बेचने के निर्देश दिए गए।

अधिकारियों ने स्पष्ट किया कि नशीली दवाओं की अवैध बिक्री या नियमों का उल्लंघन पाए जाने पर संबंधित मेडिकल स्टोर संचालक के खिलाफ नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी।

पुलिस का फोकस ऐसी दवाओं की अवैध बिक्री पर रोक लगाने के साथ युवाओं को नशे की गिरफ्त में जाने से बचाना है।

अधिकारियों के अनुसार पुलिस और औषधि विभाग की टीम आने वाले दिनों में भी मेडिकल स्टोर्स की औचक जांच जारी रखेगी। संदिग्ध गतिविधि मिलने पर संबंधित दुकानों के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी।

रायपुर में ऑक्टोपस बार समेत 4 दुकानें जलीं

रायपुर। रायपुर के तेलीबांधा इलाके में स्थित ऑक्टोपस बार के पास देर रात करीब 1 बजे भीषण आग लग गई। आग हार्डवेयर की दुकान में लगी, जो देखते ही देखते ऑक्टोपस बार समेत आसपास की चार दुकानों तक फैल गई। सूचना मिलते ही फायर ब्रिगेड की 13 गाड़ियां मौके पर पहुंचीं, काफी मशक्कत के बाद सुबह आग पर काबू पा लिया गया।

तेलीबांधा टीआई अजय झा के मुताबिक, आग हार्डवेयर दुकान से शुरू हुई थी। आग इतनी भीषण थी कि तेज बारिश के बावजूद उस पर काबू पाने में काफी मशक्कत करनी पड़ी। ऑक्टोपस बार समेत तीन दुकानों को भारी नुकसान हुआ है। आग लगने के कारणों का फिलहाल पता नहीं चल सका है।

हार्डवेयर की जिस दुकान से आग भड़की उसके सामने खड़ी कई गाड़ियां भी आग की चपेट में आकर खाक हो गईं।

भोजनालय संचालक बॉबी तोलानी ने बताया, रात करीब 1 बजे आग लगने की सूचना मिली। खबर मिलते ही जिस हालत में थे, उसी हालत में दुकान पहुंच गए। तब तक आग तेजी से फैल चुकी थी।

नगर निगम की दो कार्रवाई, 20 अवैध पाटे तोड़ेःकबाड़ी दुकान पर गंदगी मिलने पर 15 हजार का जुर्माना

रायपुर। रायपुर नगर निगम ने आज शहर के अलग-अलग इलाकों में सफाई व्यवस्था और अतिक्रमण के खिलाफ दो कार्रवाई की। जोन-6 में जलभराव रोकने के लिए नाले पर बने करीब 20 अवैध पाटों को तोड़ा गया, जबकि जोन-10 में गंदगी और ठोस अपशिष्ट प्रबंधन नियमों के उल्लंघन पर एक कबाड़ी दुकान पर 15 हजार रुपए का ई-चालान किया गया।

जोन-6 के वार्ड-60 में भैरव नगर से बोरिया रोड तक नाले पर बने करीब 20 अवैध पाटों को जेसीबी से हटाया गया। नगर निगम के अनुसार, इन पाटों की वजह से नाले की सफाई नहीं हो पा रही थी और बारिश के दौरान जलभराव की समस्या बढ़ रही थी। कार्रवाई के दौरान नाले को कब्जा मुक्त कर उसकी सफाई कराई गई और करीब 3 डंपर मलबा बाहर निकाला गया। निगम का कहना है कि मानसून के दौरान जल निकासी सुचारु रखने के लिए ऐसे अवैध पाटों और अतिक्रमणों के खिलाफ अभियान जारी रहेगा।

एसी फटने से मेकाहारा अस्पताल के इमरजेंसी वार्ड में आग

रायपुर। राजधानी रायपुर स्थित डॉ. भीमराव अंबेडकर स्मृति अस्पताल (मेकाहारा) के मेडिसिन विभाग के इमरजेंसी वार्ड में मंगलवार दोपहर अचानक आग लग गई। घटना की सूचना मिलते ही दमकल विभाग की गाड़ियां मौके पर पहुंचीं। कड़ी मशक्कत के बाद दमकल कर्मियों ने आग पर काबू पा लिया।

आग लगने के बाद इमरजेंसी वार्ड और आसपास के हिस्से में धुआं फैल गया। एहतियात के तौर पर मरीजों और उनके परिजनों को तुरंत सुरक्षित स्थान पर शिफ्ट किया गया। अस्पताल के डॉक्टरों, स्टाफ और सुरक्षा कर्मियों ने राहत एवं बचाव कार्य में सहयोग किया।

प्रारंभिक जानकारी के अनुसार, इमरजेंसी वार्ड में लगे एसी में खराबी या उसके फटने से आग लगने की आशंका है। हालांकि, आग लगने के वास्तविक कारणों का पता जांच के बाद ही चल सकेगा। पुलिस और संबंधित विभाग मामले की जांच में जुटे हैं।

सर्विस क्वालिटी में रायपुर को 4.88 रेटिंगः 5 बड़े एयरपोर्ट से पीछे, इंदौर से आगे निकला

रायपुर। स्वामी विवेकानंद एयरपोर्ट, रायपुर ने यात्री सुविधाओं के मामले में लगातार बेहतर प्रदर्शन किया है। एयरपोर्ट्स काउंसिल इंटरनेशनल के एयरपोर्ट सर्विस क्वालिटी (ह्रस्क्) सर्वे 2026 की पहली तिमाही (जनवरी-मार्च) में रायपुर एयरपोर्ट को 5 में से 4.88 अंक मिले हैं। पिछली तिमाही (अक्टूबर-दिसंबर 2025) के 4.87 अंक की तुलना में इस बार 0.01 अंक का सुधार हुआ है। सर्वे में रायपुर की 74वीं रैंक रही। यह रेटिंग यात्रियों के सीधे फीडबैक के आधार पर चेक-इन, सुरक्षा जांच, साफ-सफाई, टर्मिनल सुविधाएं, स्टाफ का व्यवहार, प्रतीक्षा समय, संकेतक, खानपान और पार्किंग समेत कई मानकों पर दी जाती है। रायपुर इंदौर से आगे निकल गया, जबकि 5 बड़े एयरपोर्ट से पीछे है।

रिपोर्ट के अनुसार रायपुर एयरपोर्ट का स्कोर भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण के तय एमओयू लक्ष्य से 0.20 अंक अधिक रहा। इससे एयरपोर्ट ने निर्धारित सेवा गुणवत्ता मानकों से बेहतर प्रदर्शन किया। 16 एएआई एयरपोर्ट्स में पुणे 4.96 अंक के साथ पहले स्थान पर रहा। इसके बाद चेन्नई (4.95), गोवा (4.94) और वाराणसी (4.90) रहे। रायपुर के 4.88 अंक कोयंबटूर, कालीकट, भुवनेश्वर और पटना जैसे प्रमुख एयरपोर्ट्स के बराबर रहे।

जानिए क्या **ACI-ASQ** सर्वे एयरपोर्ट सर्विस क्वालिटी सर्वे एयरपोर्ट्स काउंसिल इंटरनेशनल का वैश्विक यात्री संतुष्टि सर्वे है। इसमें यात्रा पूरी करने वाले यात्रियों से सीधे फीडबैक लेकर एयरपोर्ट की सेवा गुणवत्ता का 5 अंकों के पैमाने पर मूल्यांकन किया जाता है। यह दुनिया में एयरपोर्ट सेवाओं का सबसे प्रतिष्ठित गुणवत्ता मानक माना जाता है। एयरपोर्ट सर्विस क्वालिटी सर्वे की जनवरी-मार्च 2026 तिमाही में रायपुर एयरपोर्ट को 4.88 अंक मिले। यह स्कोर पुणे (4.96), चेन्नई (4.95), गोवा (4.94), वाराणसी (4.90) और कोलकाता (4.89) से कम रहा। वहीं रायपुर की रेटिंग कोयंबटूर, कालीकट, भुवनेश्वर और पटना के बराबर रही। पिछली तिमाही में रायपुर से आगे रहे इंदौर की रेटिंग घटकर 4.87 हो गई, जबकि रायपुर 4.88 के साथ उससे आगे निकल गया। रायपुर की रेटिंग में 0.01 अंक का सुधार हुआ, हालांकि दूसरे एयरपोर्ट के बेहतर प्रदर्शन के कारण उसकी राष्ट्रीय रैंक 73 से घटकर 74 हो गई।

भाजपा का तिरंगा अभियानः3 दशक बाद पहली बार नक्सल मुक्त गांवों में फहरेगा झंडा

रायपुर। भाजपा ने इस बार अपने हर घर तिरंगा अभियान में नक्सल नक्सल मुक्त हुए गांवों को भी केंद्र में रखा है। पार्टी ऐसे गांवों की सूची तैयार करा रही है, जहां तीन दशक से झंडा नहीं फहराया गया है। इन गांवों में विशेष रूप तिरंगा यात्रा निकाली जाएगी।

इसी तरह आत्मसमर्पित नक्सलियों की भागीदारी सुनिश्चित करने, शहीद एवं नक्सल प्रभावित परिवारों का सम्मान करने और जिला मुख्यालयों पर युवतियों की बाइक तिरंगा यात्रा आयोजित करने के निर्देश भी पार्टी ने दिए गए हैं। हर घर तिरंगा और तिरंगा यात्रा अभियान 11 से 15 अगस्त तक चलेगा।

हर घर तिरंगा अभियान के तहत मंडल और जिला स्तर पर भव्य तिरंगा यात्राएं निकाली जाएंगी। प्रत्येक मंडल केंद्र के अलावा मंडल के पांच बड़े गांवों या बाजारों में भी तिरंगा यात्रा आयोजित करने को कहा गया है। अभियान में युवा मोर्चा की प्रमुख भूमिका रहेगी और स्कूल-कॉलेजों के विद्यार्थियों, सामाजिक संगठनों, महिला संगठनों, सेवानिवृत्त सैनिकों तथा सुरक्षा कर्मियों की भागीदारी सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए हैं।

अभियान के दौरान शहीद सैनिकों और ड्यूटी के दौरान जान गंवाने वाले पुलिसकर्मियों के परिवारों का सम्मान भी किया जाएगा। नक्सल प्रभावित क्षेत्रों में शहीद परिवारों को तिरंगा भेंट करने का कार्यक्रम रखा गया है।

पार्टी का तिरंगा अभियान

जिला केंद्रों से युवा मोर्चा 100 युवतियों के साथ बाइक रैली निकलेगा।

सीमावर्ती क्षेत्रों में वरिष्ठ नेता बॉर्डर चौकियों पर जवानों का सम्मान करेंगे।

शहीद पुलिसकर्मियों के घर जाकर परिजनों को सम्मानित होंगे।

केवल कपड़े के झंडे फहराए जाएंगे।

स्मृति दिवस मनाएगी भाजपा

भाजपा 14 अगस्त को विभाजन विभीषिका स्मृति दिवस के रूप में मनाएगी। जिलों में बैनर-प्लेकार्ड के साथ मौन जुलूस निकाला जाएगा। विभाजन का दंश झेलने वाले परिवारों से पार्टी नेता व्यक्तिगत रूप से मुलाकात कर उनकी स्मृतियों को साझा करेंगे।

31 जुलाई तक किसान कराएं फसल बीमाःकलेक्टर ने अधिकारियों और बैंकों को दिए निर्देश, पिछले साल से 10% बढ़ाने का टारगेट

रायपुर। प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना (खरीफ-2026) के प्रभावी क्रियान्वयन को लेकर सोमवार को रेडक्रॉस भवन में जिला स्तरीय पर्यवेक्षण समिति (ष्ठस्रूष्ट) की बैठक हुई। बैठक की अध्यक्षता कलेक्टर डॉ. गौरव सिंह ने की। इसमें योजना की प्रगति, निगरानी और विभिन्न विभागों की जिम्मेदारियों की समीक्षा की गई।

बैठक में कलेक्टर ने सभी बैंकों को निर्देश दिए कि पिछले वर्ष की तुलना में 10 प्रतिशत अधिक ऋणी और अऋणी किसानों का फसल बीमा कराया जाए। उन्होंने कहा कि 31 जुलाई की अंतिम तिथि से पहले अधिक से अधिक पात्र किसानों को योजना से जोड़ा जाए।

ग्राम कृषि विस्तार अधिकारियों को दिए लक्ष्य

उप संचालक कृषि ने बताया कि अऋणी किसानों की भागीदारी बढ़ाने के लिए ग्राम कृषि विस्तार अधिकारियों को लक्ष्य दिए गए हैं। वहीं, एचडीएफसी एर्गो जनरल इंश्योरेंस की ओर से 1 से 31 जुलाई तक फसल बीमा माह मनाया जा रहा है। इस दौरान ग्राम पंचायतों में किसान संगोष्ठी, विकासखंड स्तर पर फसल बीमा पाठशाला और अन्य माध्यमों से जागरूकता अभियान चलाया जाएगा। कलेक्टर ने ग्रामीण कृषि विस्तार अधिकारियों को सहकारी समितियों के माध्यम से किसानों तक योजना की जानकारी पहुंचाने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि किसानों को फसल बीमा के लाभ समझाकर असहमति करने वाले किसानों की संख्या कम करने का प्रयास किया जाए। बैठक में कलेक्टर डॉ. गौरव सिंह ने कहा कि प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना का लाभ हर पात्र किसान तक पहुंचाना सभी विभागों की जिम्मेदारी है। बैठक में उप संचालक कृषि, उप संचालक उद्यानिकी, बैंक ऑफ बड़ौदा के क्षेत्रीय अधिकारी, एनआईसी के जिला सूचना अधिकारी, एचडीएफसी एर्गो जनरल इंश्योरेंस के जिला प्रबंधक सहित समिति के सदस्य मौजूद रहे।

वास्तु गुरुजी सिकंदर राणा जी के अनुसार आज का राशिफल

मो.नं. : 9770888888

मेष। आज का दिन करियर और कार्यक्षेत्र से जुड़े महत्वपूर्ण निर्णयों के लिए अनुकूल रहेगा, लेकिन किसी भी फैसले में जल्दबाजी करना नुकसानदायक हो सकता है। अनुभवी लोगों की सलाह लेकर आगे बढ़ना आपके लिए बेहतर रहेगा। व्यापार में नए अवसर मिल सकते हैं और रुका हुआ कार्य गति पकड़ सकता है। आर्थिक स्थिति में सुधार के संकेत हैं, फिर भी अनावश्यक खर्चों पर नियंत्रण रखें।

वृषभ। व्यापार से जुड़े लोगों के लिए आज का दिन नए अवसर लेकर आएगा। कोई लाभदायक प्रस्ताव मिल सकता है, जिससे भविष्य की योजनाओं को नई दिशा मिलेगी। लंबे समय से रुका हुआ धन मिलने की संभावना है, जिससे आर्थिक स्थिति मजबूत होगी। नौकरीपेशा लोगों को अपने कार्यों के प्रति ईमानदारी बनाए रखनी चाहिए, क्योंकि वरिष्ठ अधिकारी आपके प्रदर्शन पर नजर रखेंगे।

मिथुन। आज आर्थिक मामलों में सुधार के स्पष्ट संकेत मिलेंगे। आय के नए स्रोत बनने की संभावना है और पुराने प्रयासों का सकारात्मक परिणाम प्राप्त होगा। कार्यक्षेत्र में आपकी बुद्धिमत्ता और संवाद कौशल की सराहना होगी। व्यापारियों को नए ग्राहकों से लाभ मिल सकता है। नौकरीपेशा लोगों को नई जिम्मेदारी मिलने की संभावना है, जिसे आप सफलतापूर्वक निभाएंगे।

कर्क। आज मानसिक शांति बनाए रखना सबसे महत्वपूर्ण रहेगा। कार्यक्षेत्र में कुछ चुनौतियां सामने आ सकती हैं, लेकिन धैर्य और समझदारी से आप सभी समस्याओं का समाधान निकाल लेंगे। परिवार का भरपूर सहयोग मिलेगा और घर का वातावरण सुखद रहेगा। जीवनसाथी के साथ संबंध पहले से अधिक मधुर होंगे। आर्थिक मामलों में संतुलन बनाए रखें और अनावश्यक खर्चों से बचें।

सिंह। आज आपका आत्मविश्वास पहले से अधिक मजबूत रहेगा। रचनात्मक कार्यों में सफलता मिलेगी और आपकी प्रतिभा लोगों का ध्यान आकर्षित करेगी। कार्यक्षेत्र में नए अवसर मिल सकते हैं, जिससे करियर को नई दिशा मिलेगी। व्यापारियों को अच्छा लाभ मिलने की संभावना है। आर्थिक स्थिति मजबूत रहेगी और रुका हुआ धन प्राप्त हो सकता है। परिवार में आनंद का वातावरण रहेगा तथा जीवनसाथी के साथ संबंध और अधिक प्रगाढ़ होंगे।

कन्या। नौकरीपेशा लोगों के लिए आज का दिन शुभ संकेत लेकर आया है। प्रमोशन, नई जिम्मेदारी या बेहतर अवसर मिलने की संभावना है। वरिष्ठ अधिकारियों का सहयोग मिलेगा और आपके कार्यों की सराहना होगी। व्यापारियों को भी लाभदायक सौदे मिल सकते हैं। आर्थिक स्थिति मजबूत होगी, लेकिन निवेश सोच-समझकर करें। परिवार में किसी शुभ कार्य की योजना बन सकती है। जीवनसाथी का सहयोग मिलेगा और रिश्तों में मधुरता बनी रहेगी।

तुला। आज खर्चों पर नियंत्रण रखना आपके लिए आवश्यक रहेगा। अनावश्यक खरीदारी से बचें और आर्थिक योजनाओं को सोच-समझकर आगे बढ़ाएं। कार्यक्षेत्र में मेहनत का उचित परिणाम मिलेगा तथा वरिष्ठ अधिकारियों का सहयोग प्राप्त होगा। व्यापार में सामान्य लाभ रहेगा, लेकिन किसी भी नई योजना में निवेश करने से पहले विशेषज्ञ की सलाह लें।

वृश्चिक। आज मित्रों और शुभचिंतकों का पूरा सहयोग मिलेगा। लंबे समय से चल रहे विवाद या गलतफहमियां दूर हो सकती हैं। कार्यक्षेत्र में आपकी मेहनत और लगन की सराहना होगी। व्यापार में नए अवसर मिल सकते हैं और आर्थिक स्थिति पहले से बेहतर होगी। परिवार में सुख-शांति बनी रहेगी तथा प्रियजनों के साथ समय बिताने का अवसर मिलेगा। जीवनसाथी का सहयोग आपके आत्मविश्वास को बढ़ाएगा।

धनु। आज यात्रा के योग बन रहे हैं, जो कार्य या निजी कारणों से हो सकती है और भविष्य में लाभदायक सिद्ध होगी। कार्यक्षेत्र में काम का दबाव अधिक रहेगा, लेकिन आपकी मेहनत रंग लाएगी। व्यापार में नए अवसर प्राप्त होंगे और आर्थिक स्थिति में धीरे-धीरे सुधार होगा। परिवार का सहयोग मिलेगा तथा घर में सुखद वातावरण बना रहेगा। जीवनसाथी के साथ संबंध मधुर रहेंगे। स्वास्थ्य सामान्य रहेगा, लेकिन थकान से बचने के लिए पर्याप्त आराम करें।

मकर। आज चंद्रमा आपकी ही राशि में होने से आत्मविश्वास और ऊर्जा में वृद्धि होगी। अनुशासन और कड़ी मेहनत के बल पर कार्यक्षेत्र में बड़ी सफलता प्राप्त कर सकते हैं। आर्थिक मामलों में लाभ मिलने के संकेत हैं और लंबे समय से रुका हुआ धन वापस मिल सकता है। वरिष्ठ अधिकारियों का सहयोग मिलेगा तथा समाज में प्रतिष्ठा बढ़ेगी। परिवार के साथ समय बिताने से मन प्रसन्न रहेगा। स्वास्थ्य सामान्य रहेगा, लेकिन काम और आराम के बीच संतुलन बनाए रखें।

कुंभ। आज चंद्रमा आपकी ही राशि में होने से आत्मविश्वास और ऊर्जा में वृद्धि होगी। स्वास्थ्य अच्छा रहेगा और आर्थिक मामलों में भी सकारात्मक परिणाम मिलेंगे। कार्यक्षेत्र में आपकी मेहनत की सराहना होगी तथा नई जिम्मेदारियां मिलने की संभावना है। व्यापारियों के लिए दिन लाभदायक रहेगा। परिवार में खुशियों का माहौल रहेगा और जीवनसाथी का पूरा सहयोग मिलेगा। किसी पुराने मित्र से मुलाकात मन को प्रसन्न करेगी। निवेश से जुड़े मामलों में लाभ मिलने के संकेत हैं, लेकिन जल्दबाजी से बचें।

मीन। आज दांपत्य जीवन में मधुरता बढ़ेगी और जीवनसाथी के साथ रिश्ते पहले से अधिक मजबूत होंगे। लंबे समय से रुके हुए कार्य पूरे होने के योग हैं, जिससे मन प्रसन्न रहेगा। व्यापार में लाभ के नए अवसर मिल सकते हैं और आर्थिक स्थिति मजबूत होगी। नौकरीपेशा लोगों को मेहनत का सकारात्मक परिणाम मिलेगा। परिवार में सुखद वातावरण रहेगा और किसी शुभ समाचार से खुशी मिलेगी। स्वास्थ्य अच्छा रहेगा, फिर भी नियमित दिनचर्या और संतुलित भोजन का पालन करें। विद्यार्थियों को अध्ययन में अच्छे परिणाम मिलेंगे। आध्यात्मिक गतिविधियों में रुचि बढ़ेगी और मानसिक शांति प्राप्त होगी।

परिवहन विभाग और टाटा मोटर्स लिमिटेड के बीच हुआ एमओयू

सीएम ने कहा- IDTR की स्थापना झारखंड के परिवहन क्षेत्र के लिए ऐतिहासिक पहल

रांची। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन मंगलवार को झारखंड मंत्रालय में परिवहन विभाग एवं टाटा मोटर्स लिमिटेड के मध्य इंस्टीट्यूट ऑफ ड्राइविंग ट्रेनिंग एंड रिसर्च (ढ्ढष्ठञ्जक्र), जमशेदपुर की स्थापना के लिए आयोजित एमओयू हस्ताक्षर समारोह में सम्मिलित हुए।

इस अवसर पर उन्होंने कहा कि राज्य में सुरक्षित, कुशल एवं आधुनिक परिवहन व्यवस्था के विकास के लिए गुणवत्तापूर्ण ड्राइविंग प्रशिक्षण अत्यंत आवश्यक है। ढ्ढष्ठञ्जक्र की स्थापना से युवाओं को आधुनिक तकनीक आधारित प्रशिक्षण मिलेगा, जिससे उनकी रोजगार क्षमता बढ़ेगी तथा राज्य में सड़क सुरक्षा को भी मजबूती मिलेगी।

टाटा मोटर्स लिमिटेड के सहयोग से स्थापित होने वाला यह संस्थान प्रशिक्षित एवं दक्ष चालकों के निर्माण के साथ परिवहन क्षेत्र में उत्कृष्ट प्रशिक्षण का प्रमुख केंद्र बनेगा। इससे ड्राइविंग प्रशिक्षण की गुणवत्ता को नई दिशा मिलेगी और आधुनिक सुविधाओं और व्यावहारिक प्रशिक्षण के माध्यम से युवाओं के लिए राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय स्तर पर बेहतर रोजगार के अवसर सृजित होंगे।

सीएम ने विशेष रूप से हेवी व्हीकल ड्राइविंग लाइसेंस एवं लर्निंग लाइसेंस की प्रक्रिया को अधिक सरल, सुगम एवं पारदर्शी बनाने पर बल दिया।

सीएम ने विशेष रूप से हेवी व्हीकल ड्राइविंग लाइसेंस एवं लर्निंग लाइसेंस की प्रक्रिया को अधिक सरल, सुगम एवं पारदर्शी बनाने पर बल दिया।

ड्राइविंग लाइसेंस प्रक्रिया को सरल एवं पारदर्शी बनाने पर मुख्यमंत्री ने दिया जोर

कार्यक्रम के दौरान मुख्यमंत्री ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से राज्य के विभिन्न जिलों के लाभुकों से सीधा संवाद कर ड्राइविंग लाइसेंस एवं लर्निंग लाइसेंस की प्रक्रिया की जमीनी स्थिति की जानकारी ली।

उन्होंने आवेदन की समयावधि, वाहन श्रेणी तथा लाइसेंस प्राप्ति में आने वाली संभावित कठिनाइयों पर विस्तार से चर्चा करते हुए स्पष्ट किया कि किसी भी आवेदक को अनावश्यक परेशानी का सामना न करना पड़े।

उन्होंने विशेष रूप से हेवी व्हीकल ड्राइविंग लाइसेंस एवं लर्निंग लाइसेंस की प्रक्रिया को अधिक सरल, सुगम एवं पारदर्शी बनाने पर बल दिया। साथ ही, सभी डीसी को लंबित आवेदनों की समीक्षा कर उनका त्वरित एवं पारदर्शी निष्पादन सुनिश्चित करने का निर्देश दिया।

इस दौरान पलामू, सरायकेला-खरसावां, धनबाद सहित विभिन्न जिलों के लाभुकों से सीधे संवाद कर उनकी समस्याएं सुनीं और उनके समाधान के लिए संबंधित अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए।

महिलाओं को परिवहन क्षेत्र में सशक्त बनाने की दिशा में राज्य सरकार प्रतिबद्ध

मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार महिला एवं पुरुष दोनों को समान अवसर उपलब्ध कराने के लिए दृढ़तापूर्वक प्रतिबद्ध है। परिवहन क्षेत्र में महिलाओं की सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित करना सरकार की प्राथमिकताओं में शामिल है।

1 करोड़ का इनामी नक्सली मिसिर बेसरा अरेस्ट:गिरिडीह में दो सहयोगी मोछू व गौरव भी पकड़ाए, सारंडा-कोल्हान में लाल आतंक का अंत

रांची। झारखंड में नक्सल विरोधी अभियान में जुटे सुरक्षा बलों को सबसे बड़ी सफलता मिली है। एक करोड़ रुपए के इनामी शीर्ष नक्स?ली मिसिर बेसरा को गिरिडीह जिले से गिरफ्तार कर लिया। उसके साथ रीजनल कमेटी सदस्य 15 लाख के इनामी नक्सली मेहनत उर्फ मोछू और गौरव उर्फ सौरव भी पकड़ा गया।

कोबरा, सीआरपीएफ और झारखंड पुलिस की संयुक्त टीम ने सटीक खुफिया सूचना के आधार पर जाल बिछाकर यह कार्रवाई की। करीब दो दशक से ?फरार चल रहा मिसिर बेसरा सुरक्षा एजेंसियों की मोस्ट वांटेड सूची में शामिल था। अब राज्य में एक करोड़ का इनामी सिर्फ एक नक्सली असीम मंडल बचा है।

सारंडा-कोल्हान में लाल आतंक का अंत

मिसिर बेसरा की गिरफ्तारी से सारंडा और कोल्हान क्षेत्र में नक्सली नेटवर्क को बड़ा झटका लगा है। सुरक्षा एजेंसियों का मानना है यह गिरफ्तारी झारखंड में नक्सलवाद के खात्मे की दिशा में एक बड़ी उपलब्धि है।

अब तीनों नक्सलियों को गुप्त स्थान पर रखकर पुलिस, आईबी और अन्य केंद्रीय एजेंसियां पूछताछ कर रही हैं। जंगलों में छिपाकर रखे गए अत्याधुनिक हथियार और आईईडी की जानकारी जुटा रही है। नक्सलियों को लॉजिस्टिक और आर्थिक मदद पहुंचाने वाले ओवरग्राउंड वर्करों का पता लगाया जा रहा है।

सटीक सूचना पर घेराबंदी, बिना गोली चलाए पकड़ाया

सुरक्षा एजेंसियों को सूचना मिली थी कि सारंडा में बढ़ते दबाव के बाद मिसिर बेसरा अपने दस्ते के साथ गिरिडीह और पारसनाथ की पहाड़ियों के रास्ते नए ठिकाने की तलाश में निकल रहा है। इसके बाद सुरक्षाबलों ने ऑपरेशन सुदर्शन शुरू किया।

मंगलवार देर शाम पूरे इलाके को सील कर सर्च ऑपरेशन शुरू किया। कोबरा कमांडोज ने अंधेरे का फायदा उठाते हुए नक्सली दस्ते को घेर लिया। अचानक हुए इस एक्शन से मिसिर बेसरा और उसके साथियों को संभलने का मौका नहीं मिला।

पीरटांड़ के मदनडीह निवासी मिसिर बेसरा उर्फ भास्कर भाकपा माओवादी पोलित ब्यूरो सदस्य है। उस पर हत्या, आईईडी ब्लास्ट, पुलिस पर हमला और आर्म्स एक्ट के 100 से ज्यादा मामले दर्ज हैं। सारंडा, कोल्हान, पारसनाथ और ट्राइजंक्शन (झारखंड-ओ ?डिशा-बंगाल) उसका मुख्य कार्यक्षेत्र था।

2003-04 में पश्चिम सिंहभूम के बिटकिलसोय और बलिबा में आईईडी ब्लास्ट की साजिश उसी ने रची थी, जिसमें 55 सुरक्षाकर्मी शहीद हुए थे। 2009 में बिहार के लखीसराय कोर्ट परिसर से सशस्त्र नक्सलियों ने पुलिस पर हमला कर उसे छुड़ा लिया था, इसके बाद से ही वह फरार था।

इसलिए बड़ी है यह कामयाबी

मिसिर बेसरा सिर्फ एक कमांडर नहीं है, बल्कि माओवादी केंद्रीय समिति का सक्रिय सदस्य है। वह झारखंड, ओडिशा और छत्तीसगढ़ के नक्सली नेटवर्क की रणनीति तय करता था।

पिछले दो दशक से सारंडा जंगल और कोल्हान क्षेत्र में समानांतर सरकार चलाने और आईईडी विस्फोट से सुरक्षाबलों को निशाना बनाने की मुख्य साजिश मिसिर ही रचता था।

श्रावणी मेले से पहले देवघर नगरी सजकर तैयार:प्रमुख चौक, मंदिर और सरकारी भवन आकर्षक रोशनी से हुए जगमग

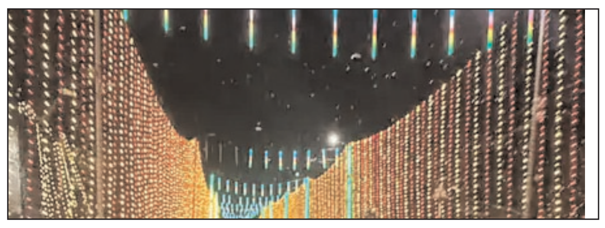

देवघर। विश्व प्रसिद्ध राजकीय श्रावणी मेला 2026 के शुभारंभ से पहले बाबा बैद्यनाथ की नगरी देवघर को पूरी तरह सजाया गया है। शहर की भव्य साज-सज्जा और रंग-बिरंगी रोशनी श्रद्धालुओं का ध्यान आकर्षित कर रही है। शाम ढलते ही पूरे शहर में भक्ति और उत्सव का माहौल बन जाता है।

श्रद्धालुओं की सुविधा और मेले की भव्यता को ध्यान में रखते हुए शहर के प्रमुख चौक, मंदिर परिसर, सरकारी भवनों और मुख्य मार्गों को आकर्षक विद्युत सजावट से सजाया गया है। बाबा बैद्यनाथ मंदिर परिसर, शिवराम झा चौक, टावर चौक, बीआईडीपी (वीआईपी) चौक, देवघर रेलवे स्टेशन, उपायुक्त कार्यालय (डीसी ऑफिस) और अंबेडकर चौक सहित कई प्रमुख स्थान रंग-बिरंगी एलईडी लाइटों से जगमगा रहे हैं।

रात्रि के समय ये स्थान विशेष रूप से आकर्षक दिखते हैं। दूर-दराज से आने वाले श्रद्धालु और पर्यटक इन दृश्यों को अपने मोबाइल कैमरों में कैद कर रहे हैं। पूरी नगरी में आध्यात्मिक वातावरण के साथ उत्सव का माहौल बना हुआ है। जिला प्रशासन ने श्रावणी मेले के दौरान श्रद्धालुओं को बेहतर अनुभव प्रदान करने के लिए सुरक्षा, स्वच्छता, यातायात और सौंदर्यीकरण पर विशेष ध्यान दिया है।

आरटीई में आधी सीटें अब भी खाली:कांके में सबसे ज्यादा 217, नामकुम और नगड़ी में 89-89 बच्चों का इंतजार

रांची। शिक्षा का अधिकार (आरटीई) अधिनियम के तहत निजी स्कूलों की 25% आरक्षित सीटों पर पहले चरण का नामांकन पूरा होने के बावजूद जिले में 50% से अधिक सीटें अब भी खाली हैं। सबसे अधिक रिक्तियां कांके, नामकुम और नगड़ी प्रखंड में हैं। जिले के 116 निजी स्कूलों में उपलब्ध 1147 सीटों में से पहले चरण में केवल 555 बच्चों का नामांकन हो सका, जबकि 592 सीटें अब भी खाली हैं।

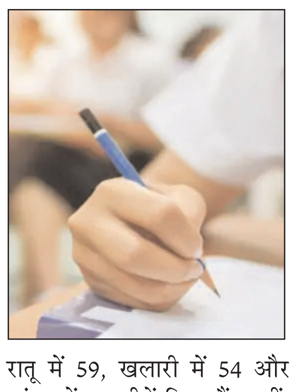

अब इन सीटों को भरने के लिए दूसरे चरण की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। सबसे अधिक 217 सीटें कांके प्रखंड के 56 स्कूलों में खाली हैं। इसके बाद नामकुम और नगड़ी में 89-89, रातू में 59, खलारी में 54 और मांडर में 31 सीटें रिक्त हैं। वहीं, चान्हो प्रखंड के दो स्कूलों में एक भी नामांकन नहीं हुआ। जिला शिक्षा अधीक्षक बादल राज ने बताया कि शहर के कुछ प्रतिष्ठित स्कूलों को छोड़ अधिकांश निजी स्कूलों में पर्याप्त आवेदन नहीं आते, जिससे सीटें खाली रह जाती हैं।

1499 आवेदनों में 1036 हुए पात्र, ऑनलाइन लॉटरी 5 को

सत्र 2026-27 के लिए 1499 आवेदन प्राप्त हुए थे। दस्तावेजों की जांच के बाद 1036 आवेदन ऑनलाइन लॉटरी के लिए पात्र पाए गए। दूसरे चरण के लिए आवेदन 2 अगस्त तक **www.rteranchi.in** पर किए जा सकते हैं। दूसरे चरण में केवल वही अभ्यर्थी आवेदन कर सकेंगे, जिन्होंने पहले चरण में आवेदन किया था और पात्र पाए गए हैं। नए आवेदन स्वीकार नहीं होंगे। ऑनलाइन लॉटरी 5 अगस्त को रांची समाहरणालय में होगी।

नीट ओएमआर शीट विवादः हाईकोर्ट ने एनटीए से तलब की अभ्यर्थी की मूल शीट

रांची। नीट यूजी-2026 परीक्षा की ओएमआर शीट को लेकर उठे विवाद में झारखंड हाईकोर्ट ने राष्ट्रीय परीक्षा एजेंसी (एनटीए) को अभ्यर्थी लक्ष्य सिंह की मूल ओएमआर शीट अगले सप्ताह सीलबंद लिफाफे में अदालत के समक्ष पेश करने का निर्देश दिया है। न्यायमूर्ति आनंद सेन की अदालत ने मामले की अगली सुनवाई 4 अगस्त तय की है। लक्ष्य सिंह ने हाईकोर्ट में याचिका दायर कर आरोप लगाया है कि परिणाम घोषित होने के बाद उनकी ओएमआर शीट में बदलाव किया गया।

वहीं, एनटीए ने लक्ष्य सिंह समेत पांच अभ्यर्थियों के दावों को खारिज करते हुए कहा है कि प्रस्तुत ओएमआर शीट में डिजिटल छेड़छाड़ की गई है। एजेंसी के रिकॉर्ड के अनुसार अभ्यर्थी का सत्यापित स्कोर 116 अंक ही है। सुनवाई के दौरान हाईकोर्ट ने विवाद की गंभीरता को देखते हुए एनटीए को मूल ओएमआर शीट अदालत में पेश करने का निर्देश दिया। साथ ही एनटीए के अधिवक्ता को आदेश की प्रति उपलब्ध कराने को भी कहा। अब 4 अगस्त को अदालत मूल ओएमआर शीट का परीक्षण करेगी।

सोडूको प्रश्न (उत्तर अगले अंक में प्रकाशित होगा)

						2		
	8				7		9	
6		2				5		
	7			6				
			9		1			
				2			4	
		5				6		3
	9		4				7	
		6						

पिछले अंक का उत्तर

1	7	5	2	9	4	8	3	6
6	2	3	1	8	7	9	4	5
8	9	4	5	6	3	2	7	1
5	1	9	7	3	2	4	6	8
3	4	7	8	5	6	1	2	9
2	8	6	9	4	1	7	5	3
9	3	8	4	2	5	6	1	7
4	6	1	3	7	9	5	8	2
7	5	2	6	1	8	3	9	4

चौखट पर हमारी
तुम्हारी
आने की आहट के
इशारे पास आए हैं।
मुश्किलों के बाद
आये सही वो
मंज़र और नज़ारे पास
आए हैं।।
ख़्यालों से नहीं जाते
निकाले चर्चे समायत
के,
कि गिरते संभलते हम
खुद ही खुद में हारे पास
आए हैं।।

सदर अस्पताल : डॉक्टर ऑनलाइन लिखेंगे दवा, 'आभा' में रहेगा रिकार्ड

रांची। रिम्स के बाद अब राजधानी के सदर अस्पताल में इलाज की व्यवस्था पूरी तरह डिजिटल होने जा रही है। अस्पताल में 'हॉस्पिटल मैनेजमेंट इंफॉर्मेशन सिस्टम'' (एचएमआईएस) को पूरी तरह लागू किया जाएगा। इसके तहत सबसे बड़ा बदलाव ई-प्रिस्क्रिप्शन के रूप में दिखेगा। अब मरीजों को रजिस्ट्रेशन पर्ची लेकर डॉक्टर के सामने हाथ से दवा लिखवाने की जरूरत नहीं होगी। डॉक्टर मरीज की जांच के बाद कंप्यूटर पर ही बीमारी, जांच और दवाओं का पूरा ब्योरा दर्ज करेंगे। इसके बाद मरीज को इसका प्रिंटआउट दे दिया जाएगा। अस्पताल प्रबंधन ने इसकी तैयारी शुरू कर दी है। विभिन्न विभागों में 82 नए कंप्यूटर सिस्टम लगाए जा रहे हैं। पहले चरण में करीब 27-28 ओपीडी में कंप्यूटर इंस्टॉलेशन का काम चल रहा है। नई व्यवस्था लागू होने के बाद मरीज का पूरा इलाज एक डिजिटल रिकॉर्ड के रूप में सुरक्षित रहेगा। डॉक्टर यह देख सकेंगे कि मरीज पहले किस बीमारी का इलाज करा चुका है, कौन-कौन सी दवाएं दी गई थीं और कौन-कौन सी जांच कराई गई थी।

गुलवीर 10,000m रेस में सिल्वर जीतने वाले पहले भारतीय: हरजिंदर को वेटलिफ्टिंग में सिल्वर, बॉक्सिंग में 3 पदक पक्के

भारतीय खिलाड़ियों ने ग्लासगो में चल रहे कॉमनवेल्थ गेम्स 2026 के 5वें दिन 2 सिल्वर मेडल जीत लिए। मंगलवार देर रात गुलवीर सिंह ने पुरुषों की 10 हजार मीटर की रेस में दूसरा स्थान हासिल किया। वे इस इवेंट में मेडल जीतने वाले पहले भारतीय बने।

इससे पहले महिला वेटलिफ्टर हरजिंदर कौर ने कुल 227 किलो वजन उठाकर सिल्वर जीता। भारत के 3 मुक्केबाजों ने भी अपने मैच जीतकर मेडल पक्के कर लिए हैं। तीनों सेमीफाइनल में पहुंच गए हैं।

भारत गुलवीर और हरजिंदर के सिल्वर के बावजूद मेडल टैली में नौवें नंबर पर खिसक गया है। उसने अब तक 2 गोल्ड समेत कुल 12 मेडल जीते हैं। भारत एक दिन पहले टैली में 8वें नंबर पर था। ऑस्ट्रेलिया 35 गोल्ड लेकर कुल 80 मेडल जीतकर टॉप पर बना हुआ है।

गुलवीर ने 27:49.78 सेकंड में 10,000 द्र रेस पूरा किया

गुलवीर ने स्कॉटस्टाउन स्टेडियम में भारी बारिश और गीले ट्रैक में 27:49.78 सेकंड का समय निकाला। ऑस्ट्रेलिया के काई रॉबिन्सन ने गोल्ड और आइल ऑफ मैन मुल्लार्की ने ब्रॉन्ज मेडल जीता।

27 साल के गुलवीर सिंह उत्तर प्रदेश के अलीगढ़ जिले के सिरसा गांव के रहने वाले हैं और भारतीय सेना में नायब सूबेदार हैं। उन्होंने सेना में भर्ती की तैयारी के लिए दौड़ना शुरू किया था। 2018 में ग्रेनेडियर्स रेजिमेंट में शामिल होने के बाद उन्होंने एथलेटिक्स को गंभीरता से अपनाया।

रेस के अंतिम लैप की शुरुआत में गुलवीर चौथे स्थान पर थे, लेकिन शानदार वापसी करते हुए सिल्वर मेडल जीत लिया।

हरजिंदर कौर ने पर्सनल बेस्ट के साथ रजत जीता

वेटलिफ्टर हरजिंदर कौर ने महिलाओं की 69 किलो वेट कैटेगरी में 227 किलोग्राम वजन उठाकर दूसरा स्थान हासिल किया। उन्होंने स्नैच में 101 किलो वजन उठाकर पर्सनल बेस्ट हासिल किया। उसके बाद क्लीन एंड जर्क में 126 किलो वजन उठाते हुए सिल्वर हासिल किया।

इस इवेंट का गोल्ड कनाडा की चार्लोट सिमोन्यू (कुल 240 किलोग्राम) और बॉन्ज ऑस्ट्रेलिया की नया फीबी हेमैन (कुल 227 किलोग्राम) को मिला।

हरजिंदर कौर पंजाब के नाभा के महेश गांव की रहने वाली हैं। उन्होंने खेल की शुरुआत वेटलिफ्टिंग से नहीं, बल्कि कबड्डी और रस्साकशी से की थी। उनके कोच परविंदर शर्मा ने उनकी मजबूत मसल पावर देखकर उन्हें वेटलिफ्टिंग अपनाने की सलाह दी। हरजिंदर घर पर चारा काटने की मशीन चलाती थीं, जिसमें लोहे के दो बड़े पहियों को घुमाना पड़ता था। इससे उनकी ताकत बढ़ी और वेटलिफ्टिंग की शुरुआत में उन्हें ज्यादा दिक्कत नहीं हुई।

2022 कॉमनवेल्थ गेम्स में उन्होंने अपने पहले ही मुकाबले में ब्रॉन्ज मेडल जीता था। अब सिल्वर जीतकर उन्होंने संकेत दे दिया है कि अगला लक्ष्य गोल्ड मेडल है।

कॉमनवेल्थ गेम्स 2026
मेडल टैली

रैंक	देश	गोल्ड	सिल्वर	ब्रॉन्ज	कुल मेडल
1	ऑस्ट्रेलिया	34	17	27	78
2	कनाडा	13	10	12	35
3	इंग्लैंड	10	18	15	43
4	स्कॉटलैंड	7	4	4	15
5	नाइजीरिया	6	4	1	11
6	मलेशिया	5	2	3	10
7	द. अफ्रीका	4	7	5	16
8	न्यूजीलैंड	3	7	3	13
9	भारत	2	7	3	12
10	जमैका	2	0	0	2

बिजनेस न्यूज

शेयर बाजार में जोरदार तेजी, सेंसेक्स 600 अंक से अधिक उछला, निफ्टी 24,200 के पार

मुंबई। घरेलू शेयर बाजार में बुधवार, 29 जुलाई को शानदार तेजी देखने को मिली। शुरुआती कारोबार में बीएसई सेंसेक्स 600 अंक से अधिक चढ़कर 77,400 के स्तर पर कारोबार करता नजर आया, जबकि एनएसई निफ्टी करीब 200 अंक की बढ़त के साथ 24,200 के स्तर पर पहुंच गया। बाजार में आईटी और बैंकिंग सेक्टर के शेयरों में सबसे अधिक खरीदारी देखने को मिली, जिससे प्रमुख सूचकांकों को मजबूती मिली।

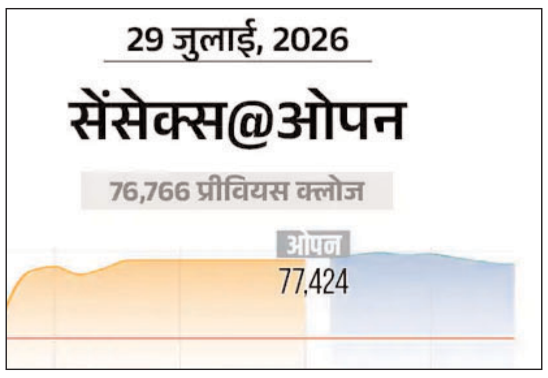

वैश्विक संकेतों का असर भी भारतीय बाजार पर सकारात्मक रहा। अमेरिकी बाजार में पिछले कारोबारी सत्र के दौरान डाउ जोन्स 537 अंक (1.03%)की बढ़त के साथ बंद हुआ। वहीं, एसएंडपी 500 में भी हल्की तेजी रही, जबकि नैस्डैक मामूली गिरावट के साथ बंद हुआ। एशियाई बाजारों में मिला-जुला रुख देखने को मिला। हांगकांग का हैंगसेंग बढ़त में कारोबार करता दिखा, जबकि जापान का निक्केई और दक्षिण कोरिया का कोस्पी दबाव में रहे।

विदेशी निवेशकों के रुख में भी सुधार के संकेत मिले हैं। ताजा आंकड़ों के अनुसार, एफआईआई/एफपीआई ने 755 करोड़ रुपए की शुद्ध खरीदारी की, जबकि घरेलू संस्थागत निवेशकों (डीआईआई) ने 1,664 करोड़ रुपए के शेयर खरीदे। हालांकि, पिछले सात कारोबारी दिनों में विदेशी निवेशकों की कुल बिकवाली अभी भी 7,825 करोड़ रुपए से अधिक बनी हुई है।

चांदी 1270 महंगी होकर 2.19 लाख पर पहुंची:10 ग्राम सोने का दाम 178 बढ़कर 1.42 लाख, कैरेट के हिसाब से देखें कीमत

सोने-चांदी की कीमतों में आज यानी 29 जुलाई को बढ़त है। इंडिया बुलियन एंड ज्वेलर्स एसोसिएशन के मुताबिक, एक किलो चांदी 1,270 रुपए महंगी होकर 2.19 लाख रुपए पर पहुंच गई है। वहीं, 10 ग्राम 24 कैरेट सोने का दाम 178 रुपए बढ़कर 1.42 लाख रुपए पर पहुंच गया है।

इस साल सोने में अब तक तेजी रही

इस साल सोने-चांदी की कीमत में लगातार उतार-चढ़ाव देखने को मिल रहा है। सोना 2026 में अब तक 9 हजार रुपए महंगा हुआ है। 31 दिसंबर 2025 को 10द्द सोना 1.33 लाख रुपए के ऊपर था, जो अब 1.42 लाख रुपए पर पहुंच गया है।

वहीं, चांदी की कीमत में 11 हजार रुपए की गिरावट है। चांदी 31 दिसंबर 2025 को 2.30 लाख रुपए किलो थी, जो अब 2.19 लाख रुपए पर है। इस दौरान 29 जनवरी को सोने ने 1.76 लाख रुपए और चांदी ने 3.86 लाख रुपए का ऑलटाइम हाई भी बनाया था।

कमोडिटी एक्सपर्ट अजय केडिया के मुताबिक सोने-चांदी के दाम अपने हाई से काफी नीचे आ चुके हैं। ऐसे में निवेशक इसमें निवेश कर सकते हैं, हालांकि इनमें एकमुश्त निवेश करने से बचना चाहिए। अजय केडिया के अनुसार साल के आखिर तक सोना एक बार फिर 1.60 लाख और चांदी 2.80 लाख रुपए तक जा सकती है।

कामधेनू

वास्तु शास्त्र में, कामधेनु को शक्ति व ऊर्जा को बढ़ाने के लिए एक प्रतीक या वस्तु के रूप में उपयोग किया जाता है। यहां वास्तु शास्त्र में कामधेनु का उपयोग कैसे किया जा सकता है, उसके कुछ तरीके हैं :-
1. स्थान : अपने घर या कार्यालय के उत्तर-पूर्व दिशा में कामधेनु की मूर्ति या चित्र रखें। यह मान्यता है कि इससे सकारात्मक ऊर्जा का आमंत्रण होता है और इससे सौभाग्य और अनुकूलता बढ़ती है।
2. पूजा कक्ष : अपने पूजा कक्ष में एक छोटी सी कामधेनु मूर्ति या चित्र रखें। मान्यता है कि इससे धार्मिक रीति व पूजा के दौरान आशीर्वाद और सकारात्मक ऊर्जा आती है।
3. धन कोण : यदि आप वास्तु शास्त्र में धन कोण की संकल्पना का पालन करते हैं, तो अपने धन कोण के नजदीक कामधेनु रखने से वित्तीय समृद्धि और सौभाग्य आकर्षित हो सकते हैं।
4. उपहार : कामधेनु घर की गृहप्रवेश या किसी नए व्यापार की शुरुआत में एक आदर्श उपहार हो सकती है।
ध्यान दें, वास्तु शास्त्र एक कई सिद्धांतों का समन्वय है, और कामधेनु उनमें से केवल एक तत्व है। अपनी विशेष आवश्यकताओं और स्थान के आधार पर वास्तु विशेषज्ञ से परामर्श करना बेहतर होगा।
Vastu Guruji
www.vastuguruji.com
RAJ BHAWAN ROAD, CIVIL LINES, RAIPUR (C.G.) 492001

बॉक्सर सचिन सिवाच जीते तो मेडल पक्का: संजना वेटलिफ्टिंग में गोल्ड के लिए खेलेंगी; कॉमनवेल्थ गेम्स का आज छठा दिन

ग्लासगो। कॉमनवेल्थ गेम्स के छठे दिन भारतीय खिलाड़ी वेटलिफ्टिंग, स्विमिंग, एथलेटिक्स, पैरा स्विमिंग, बॉक्सिंग और लॉन बॉल्स में चुनौती पेश करेंगे। टीम की सबसे ज्यादा उम्मीदें वेटलिफ्टिंग और एथलेटिक्स से रहेंगी।

संजना महिला 77 ह्वद्द फाइनल में गोल्ड के लिए उतरेंगी। वहीं बॉक्सर सचिन सिवाच क्वार्टर फाइनल मुकाबला खेलेंगे। अगर सचिन यह मुकाबला जीतते हैं, तो भारत के लिए एक मेडल पक्का हो जाएगा।

दिनभर में कुल 26 गोल्ड मेडल इवेंट्स होंगे। इनमें सबसे ज्यादा 11 स्विमिंग एंड पैरा स्विमिंग, 8 एथलेटिक्स एंड पैरा एथलेटिक्स और 3 वेटलिफ्टिंग के गोल्ड इवेंट शामिल हैं।

वेटलिफ्टिंग में दोपहर 2 बजे संजना महिला 77 ह्वद्द फाइनल में उतरेंगी। भारतीय दल को उनसे गोल्ड मेडल की उम्मीद रहेगी। इसी दिन पुरुष 94 ह्वद्द और महिला 86 kg वर्ग के फाइनल भी खेले जाएंगे।

स्विमिंग में साजन प्रकाश और आर्यन नेहरा पर नजर

स्विमिंग में दोपहर 3:12 बजे साजन प्रकाश और अनीश एस गौड़ा पुरुष 200 मीटर फ्रीस्टाइल हीट्स में उतरेंगे। दोनों के क्वालिफाई करने पर रात 11:51 बजे फाइनल खेला जाएगा।

वहीं 1:14 बजे आर्यन नेहरा पुरुष 1500 मीटर फ्रीस्टाइल फाइनल में सीधे मेडल के लिए चुनौती पेश करेंगे। पैरा स्विमिंग में सुयश नारायण जाधव और चैतन्य विश्वास कुलकर्णी पुरुष 50 मीटर फ्रीस्टाइल स्7 हीट्स खेलेंगे। क्वालिफाई करने पर दोनों रात 12:46 बजे फाइनल में उतरेंगे।

एथलेटिक्स में दोपहर 3:35 बजे तजिंदरपाल सिंह तूर और समरदीप सिंह गिल पुरुष शॉटपुट क्वालिफाइंग में उतरेंगे। 4:02 बजे अनीमेष कुजूर पुरुष 200 मीटर हीट्स दौड़ेंगे।

देर रात 11:54 बजे श्रीशंकर मुरली और लोकेश सत्यानाथन पुरुष लॉन्ग जंप फाइनल में मेडल के लिए चुनौती पेश करेंगे। इसके बाद 12:31 बजे मनप्रीत कौर महिला शॉटपुट फाइनल, 12:55 बजे देवेंद्र कुमार और सागर थयात पुरुष डिस्कस थ्रो स्न42-44/स्न61-64 फाइनल खेलेंगे।

इसके बाद 1:42 बजे मोहम्मद बासिल एम और दिलीप महादु गावित पुरुष 100 मीटर ज्ञ47 फाइनल खेलेंगे। फिर 2:05 बजे पारुल चौधरी महिला 3000 मीटर स्टीपलचेज फाइनल में उतरेंगी।

श्रीलंका विमेंस ने पाकिस्तान से पहली बार वनडे सीरीज जीती:तीसरे मैच में 8 विकेट से हराया, चमारी अटापट्टू का ऑलराउंड प्रदर्शन

श्रीलंका महिला क्रिकेट टीम ने पाकिस्तान के खिलाफ अपनी पहली बाइलैटरल वनडे सीरीज जीत ली है। उसने मंगलवार को तीसरे मैच में पाकिस्तान को 8 विकेट से हराया।

इस जीत के साथ श्रीलंका ने तीन मैचों की सीरीज 2-1 से अपने नाम कर ली। यह पिछले 24 साल में पाकिस्तान के खिलाफ श्रीलंका की पहली द्विपक्षीय वनडे सीरीज जीत है।

टॉस हारकर पहले बल्लेबाजी करने उतरी पाकिस्तान की टीम की शुरुआत बेहद खराब रही। पारी के दूसरे ओवर में ही चेतना विमुक्ति ने पाकिस्तान के टॉप ऑर्डर को ध्वस्त कर दिया। महज दो ओवर के खेल में पाकिस्तान का स्कोर 10 रन पर 3 विकेट हो गया था।

यहां से गुल फिरोजा और मुनीबा अली ने 68 रनों की साझेदारी कर टीम को संभालने की कोशिश की, लेकिन चमारी अटापट्टू ने फिरोजा को आउट कर इस साझेदारी को तोड़ दिया।

पाकिस्तान 110 रन पर 4 विकेट से लड़खड़ाकर 146 रन पर 7 विकेट पर पहुंच गई। कप्तान फातिमा सना ने 41 रनों की पारी खेलकर टीम को 188 रनों के सम्मानजनक स्कोर तक पहुंचाया।

श्रीलंका से काविशा दिलहारी और चमारी अथापथु ने 3-3 विकेट लिए। पाकिस्तान की पूरी टीम 40वें ओवर में 187 रन पर सिमट गई।

वर्ल्ड चेस चैंपियनशिप का फाइनल जेनेवा में होगा: 25 नवंबर से 15 दिसंबर तक खेला जाएगा, वर्ल्ड चैंपियन गुकेश को चुनौती देंगे सिंदारोव

वर्ल्ड चेस चैंपियनशिप का फाइनल 25 नवंबर से 15 दिसंबर तक स्विट्जरलैंड के जेनेवा में खेला जाएगा। मौजूदा वर्ल्ड चैंपियन भारत के डी. गुकेश के सामने उज्बेकिस्तान के जावोखिर सिंदारोव चुनौती पेश करेंगे।

मैच शुरू होने के समय दोनों खिलाड़ियों की उम्र 20 साल होगी, जिससे यह इतिहास का सबसे युवा वर्ल्ड चेस चैंपियनशिप फाइनल बन जाएगा।

फिडे वर्ल्ड चेस चैंपियनशिप में कैंडिडेट्स टूर्नामेंट का विजेता चैलेंजर कहलाता है। चैलेंजर ही चैंपियन को चुनौती देने का अधिकार हासिल करता है।

वर्ल्ड चैंपियन गुकेश ने सिंगापुर में दिसंबर 2024 में 18 साल की उम्र में चीन के डिंग लिरेन को हराकर खिताब अपने नाम किया था।

गुकेश ने 14वें और अंतिम क्लासिकल गेम में जीत हासिल कर 18वें वर्ल्ड चैंपियन बनने का गौरव प्राप्त किया था। वे यह खिताब जीतने वाले अब तक के सबसे युवा खिलाड़ी हैं।

दूसरी ओर सिंदारोव ने साइप्रस में आयोजितड कैंडिडेट्स टूर्नामेंट 2026 जीतकर इस मुकाबले के लिए अपनी जगह पक्की की।

उज्बेकिस्तान के इस ग्रैंडमास्टर ने एक राउंड हते ही पहला स्थान हासिल कर लिया था। इससे पहले उन्होंने 2025 वर्ल्ड कप में भी जीत दर्ज की थी।

अध्यक्ष विश्वनाथन आनंद ने बताया कि भारत, अमेरिका और साइप्रस सहित कई देशों ने इस मैच की मेजबानी में गहरी रुचि दिखाई थी।

सभी प्रस्तावों पर विचार करने के बाद मैच को न्यूट्रल वेन्यू पर आयोजित करने का फैसला किया। जेनेवा को इसलिए चुना गया। स्विस चेस फेडरेशन के अध्यक्ष आंद्रे वोग्टलिन ने कहा कि यह स्विस चेस के लिए एक विशेष दिन है।

पाकिस्तान की विदेशी सरजमीं पर यह लगातार आठवीं टेस्ट हार रही

तारोबा टेस्ट: वेस्टइंडीज ने पाकिस्तान को 90 रन से हराया: जेडन सील्स ने झटके 5 विकेट; विंडीज सीरीज में 1-0 से आगे

तारोबा (त्रिनिदाद) में खेले गए दो मैचों की सीरीज के पहले टेस्ट में वेस्टइंडीज ने पाकिस्तान को 90 रन से हरा दिया।

211 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए पाकिस्तान की दूसरी पारी 120 रन पर सिमट गई। तेज गेंदबाज जेडन सील्स ने 35 रन देकर 5 विकेट लिए। इस जीत के साथ वेस्टइंडीज ने सीरीज में 1-0 की बढ़त बना ली। वहीं, पाकिस्तान की विदेशी सरजमीं पर यह लगातार आठवीं टेस्ट हार रही।

211 रन के लक्ष्य के सामने ढही पाकिस्तान की बल्लेबाजी

चौथे दिन पाकिस्तान को जीत के लिए 211 रन चाहिए थे, लेकिन टीम 40.2 ओवर में 120 रन पर ऑलआउट हो गई। इमाम-उल-हक (8), अजान आवैस (6) और सलमान आगा (0) लंच से पहले ही आउट हो गए। इसके बाद मोहम्मद रिजवान और आमिर जमाल भी बड़ी पारी नहीं खेल सके।

23 साल के जेडन सील्स ने 13.2 ओवर में 35 रन देकर 5 विकेट लिए। पाकिस्तान के खिलाफ यह उनका दूसरा फाइव विकेट हॉल रहा। जस्टिन ग्रीव्स ने 2 विकेट लिए, जबकि केमार रोच और शमार जोसेफ को 1-1 विकेट मिला।

एक छोर पर बाबर आजम टिके रहे और 86 गेंद में नाबाद 52 रन बनाए। यह उनके टेस्ट करियर का 32वां अर्धशतक रहा। उन्होंने आखिरी विकेट के लिए मोहम्मद अब्बास (7) के साथ 36 रन जोड़े, लेकिन टीम को हार से नहीं बचा सके। सील्स ने अब्बास को एलबीडब्ल्यू कर मैच खत्म किया।

शान मसूद पहली पारी में फील्डिंग के दौरान दाएं हाथ की उंगली फ्रैक्चर करा बैठे थे। चोट के कारण वह नीचे बल्लेबाजी करने उतरे और 6 रन बनाकर आउट हुए।

निचले क्रम ने बढ़ाया लक्ष्य

वेस्टइंडीज ने चौथे दिन 7 विकेट पर 93 रन से आगे खेलना शुरू किया। शमार जोसेफ (32) और केमार रोच (22) ने आठवें विकेट के लिए 61 रन जोड़कर टीम को 148 रन तक पहुंचाया। इससे पाकिस्तान के सामने 211 रन का लक्ष्य खड़ा हुआ।

सावन में स्वच्छता, सात्विकता व शिव भक्ति से संवरेंगे जीवन और घर : वास्तु एक्सपर्ट राणा सिकंदर सिंह

शिव कृपा और सकारात्मक ऊर्जा का महापर्व, अपनाएं वास्तु के ये सरल उपाय

रायपुर। भगवान शिव की आराधना का पावन महीना सावन 30 जुलाई से प्रारंभ हो रहा है। हिंदू धर्म में सावन को आध्यात्मिक जागरण, आत्मशुद्धि और सकारात्मक ऊर्जा का महीना माना गया है। इस पूरे माह में भगवान शिव की पूजा-अर्चना, रुद्राभिषेक, महामृत्युंजय मंत्र का जाप और सात्विक जीवन अपनाने का विशेष महत्व बताया गया है। वास्तु शास्त्र के अनुसार यदि सावन में घर की दिशा, स्वच्छता और पूजा व्यवस्था का विशेष ध्यान रखा जाए तो भगवान शिव की कृपा के साथ घर में सुख, शांति और समृद्धि का वास होता है। वास्तु एक्सपर्ट राणा सिकंदर सिंह ने बताया कि सावन केवल धार्मिक आस्था का महीना नहीं है, बल्कि यह जीवन में सकारात्मक परिवर्तन लाने का श्रेष्ठ अवसर भी है। इस माह में व्यक्ति को अपने घर, कार्यस्थल और मन तीनों को पवित्र रखने का प्रयास करना चाहिए। जहां स्वच्छता, श्रद्धा और सात्विकता होती है, वहां सकारात्मक ऊर्जा स्वतः बढ़ने लगती है। उन्होंने बताया कि सावन शुरू होने से पहले पूरे घर की अच्छी तरह सफाई करें। विशेष रूप से ईशान कोण (उत्तर-पूर्व दिशा) को स्वच्छ रखें, क्योंकि यह दिशा भगवान शिव, देव ऊर्जा और आध्यात्मिक शक्ति का स्थान मानी जाती है। इस दिशा में कबाड़, टूटा सामान या भारी वस्तुएं रखने से बचना चाहिए। यहां प्रतिदिन दीपक जलाकर गंगाजल का छिड़काव करें और भगवान शिव का ध्यान करें।

राणा सिकंदर सिंह ने कहा कि सावन में मुख्य द्वार का विशेष महत्व होता है। मुख्य प्रवेश द्वार को स्वच्छ रखें और आम, अशोक या बेलपत्र से बना शुभ तोरण लगाएं। इससे घर में शुभ ऊर्जा का प्रवेश होता है। यदि संभव हो तो घर के मंदिर में प्रतिदिन शिवलिंग पर जल, दूध और बेलपत्र अर्पित करें तथा पूरा परिवार मिलकर '? नमः शिवाय' मंत्र का जाप करे। सामूहिक प्रार्थना से घर का वातावरण शांत और सकारात्मक बनता है।

सावन में ईशान कोण क्यों है महत्वपूर्ण?

वास्तु शास्त्र में उत्तर-पूर्व दिशा यानी ईशान कोण को देवताओं का स्थान माना गया है। सावन के महीने में इस दिशा को विशेष रूप से स्वच्छ रखें। यहां पूजा करें, दीपक जलाएं और गंगाजल का छिड़काव करें। इससे सकारात्मक ऊर्जा का संचार बढ़ता है और भगवान शिव की कृपा प्राप्त होने की मान्यता है।

सावन में घर की सफाई का महत्व

सावन शुरू होने से पहले घर से कबाड़, टूटा फर्नीचर, बंद घड़ियां और खराब इलेक्ट्रॉनिक सामान हटा दें। वास्तु शास्त्र के अनुसार अव्यवस्था नकारात्मक ऊर्जा को बढ़ाती है। स्वच्छ और व्यवस्थित घर में सकारात्मक ऊर्जा का प्रवाह बेहतर होता है और मानसिक शांति बनी रहती है।

शिव पूजा में इन बातों का रखें ध्यान

प्रतिदिन प्रातः स्नान के बाद भगवान शिव को जल, दूध, बेलपत्र, धतूरा और सफेद पुष्प अर्पित करें। पूजा के समय '? नमः शिवाय' या महामृत्युंजय मंत्र का जाप करें। पूजा स्थल को सदैव स्वच्छ रखें और दीपक अवश्य जलाएं। श्रद्धा और नियमितता ही पूजा की सबसे बड़ी शक्ति है।

सावन में अपनाएं ये पांच शुभ आदतें

- प्रतिदिन भगवान शिव का स्मरण करें।
- घर और पूजा स्थल को स्वच्छ रखें।
- सात्विक भोजन ग्रहण करें।
- परिवार के साथ सामूहिक प्रार्थना करें।
- क्रोध, विवाद और नकारात्मक सोच से दूर रहें।

भगवान शिव की आराधना के साथ अपनाएं वास्तु के ये दिव्य नियम

सावन में सकारात्मक ऊर्जा बढ़ाने का सबसे उत्तम समय, जीवन में आएंगे शुभ परिवर्तन : वास्तु एक्सपर्ट राणा सिकंदर सिंह

वास्तु एक्सपर्ट राणा सिकंदर सिंह ने बताया कि सावन का महीना केवल व्रत और पूजा-अर्चना तक सीमित नहीं है, बल्कि यह आत्मशुद्धि, अनुशासन और सकारात्मक जीवनशैली अपनाने का भी श्रेष्ठ अवसर है। इस पूरे माह में घर के वातावरण को पवित्र और सात्विक बनाए रखने का विशेष महत्व है। वास्तु शास्त्र के अनुसार जिस घर में नियमित रूप से भगवान शिव का स्मरण, दीप प्रज्ज्वलन और स्वच्छता का ध्यान रखा जाता है, वहां सुख-शांति और समृद्धि का वास बना रहता है।

उन्होंने बताया कि सावन के दौरान घर के मंदिर को प्रतिदिन साफ करें और भगवान शिव के समक्ष घी का दीपक जलाएं। पूजा के समय तांबे के पात्र में जल भरकर शिवलिंग पर अर्पित करना शुभ माना जाता है। बेलपत्र, सफेद पुष्प, भस्म और चंदन से भगवान शिव का पूजन करने से आध्यात्मिक ऊर्जा बढ़ती है और मन को शांति मिलती है।

राणा सिकंदर सिंह ने कहा कि इस पवित्र महीने में तुलसी, बेल और अन्य धार्मिक पौधों की नियमित देखभाल करनी चाहिए। घर के आंगन या बालकनी में हरियाली बनाए रखने से वातावरण शुद्ध रहता है और सकारात्मक ऊर्जा का प्रवाह बढ़ता है। यदि घर में सूखे या मुरझाए पौधे हों तो उन्हें हटाकर नए पौधे लगाना शुभ माना जाता है।

उन्होंने बताया कि सावन में घर के प्रत्येक सदस्य को संयमित जीवनशैली अपनानी चाहिए। क्रोध, ईर्ष्या, कटु वचन और अनावश्यक विवाद से बचना चाहिए। मधुर व्यवहार, सहयोग की भावना और परिवार के साथ सामूहिक प्रार्थना घर के वास्तु को और अधिक सकारात्मक बनाती है। वास्तु शास्त्र के अनुसार व्यक्ति का आचरण भी घर की ऊर्जा को प्रभावित करता है।

संदेश

वास्तु गुरु राणा सिकंदर का मानना है कि सच्ची श्रद्धा, सेवा, संयम और सकारात्मक सोच के साथ की गई कांवड़ यात्रा व्यक्ति के जीवन में आध्यात्मिक उन्नति, मानसिक शांति और सकारात्मक परिवर्तन का मार्ग प्रशस्त करती है। भगवान शिव की भक्ति तभी सार्थक होती है जब उसके साथ सदाचार, विनम्रता और अनुशासन भी जुड़ा हो।

सावन में मुख्य द्वार को बनाएं शुभ

मुख्य द्वार घर में ऊर्जा के प्रवेश का प्रमुख स्थान माना जाता है। सावन में मुख्य द्वार को प्रतिदिन साफ रखें। आम, अशोक या बेलपत्र का तोरण लगाएं तथा शाम के समय दीपक जलाएं। प्रवेश द्वार पर गंदगी या टूटे-फूटे सामान नहीं रखें। इससे शुभ ऊर्जा का प्रवेश होता है और घर में सकारात्मक वातावरण बना रहता है।

शिव को प्रिय हैं ये वस्तुएं

सावन में भगवान शिव को बेलपत्र, गंगाजल, कच्चा दूध, धतूरा, भांग, सफेद पुष्प, चंदन और अक्षत अर्पित करना शुभ माना जाता है। पूजा करते समय श्रद्धा और मन की पवित्रता सबसे महत्वपूर्ण होती है। नियमित शिव आराधना से मानसिक शांति और आत्मबल में वृद्धि होती है।

सावन में इन चीजों को घर से हटाएं

वास्तु शास्त्र के अनुसार टूटे हुए बर्तन, बंद घड़ियां, खराब इलेक्ट्रॉनिक सामान, सूखे पौधे और अनावश्यक कबाड़ नकारात्मक ऊर्जा बढ़ाते हैं। सावन प्रारंभ होने से पहले इन्हें घर से हटाना शुभ माना जाता है। स्वच्छ और व्यवस्थित घर में सकारात्मक ऊर्जा का प्रवाह अधिक होता है।

सावन में करें ये सात्विक कार्य

प्रतिदिन भगवान शिव का स्मरण करें, गरीबों को अन्न या वस्त्र दान दें, पशु-पक्षियों के लिए जल रखें, पौधारोपण करें और परिवार के साथ भजन-कीर्तन करें। ऐसे कार्य मन को शांति देते हैं और घर में प्रेम, सद्भाव तथा आध्यात्मिक वातावरण को मजबूत बनाते हैं।

परिवार में बढ़ाएं आध्यात्मिक वातावरण

सावन में प्रतिदिन कुछ समय परिवार के साथ भजन, शिव चालीसा, रुद्राष्टकम या शिव मंत्रों का सामूहिक पाठ करें। बच्चों को भी पूजा में शामिल करें और उन्हें भारतीय संस्कृति के महत्व से परिचित कराएं। इससे परिवार में प्रेम, अनुशासन और आध्यात्मिक वातावरण मजबूत होता है।

सावन में अपनाएं ये जीवन मूल्य

- सत्य बोलें।
- क्रोध पर नियंत्रण रखें।
- माता-पिता और गुरु का सम्मान करें।
- जरूरतमंदों की सहायता करें।
- प्रकृति और पशु-पक्षियों के प्रति दया रखें।

सावन मास की कांवड़ यात्रा का महत्वः वास्तु गुरु राणा सिकंदर के अनुसार

सावन मास भगवान शिव की आराधना का सबसे पावन समय माना जाता है। इस दौरान की जाने वाली कांवड़ यात्रा केवल धार्मिक परंपरा नहीं, बल्कि आत्मशुद्धि, अनुशासन और सकारात्मक ऊर्जा का एक आध्यात्मिक साधन है। श्रद्धालु गंगाजल लाकर शिवलिंग का जलाभिषेक करते हैं, जिसे भगवान शिव की विशेष कृपा प्राप्त करने का माध्यम माना गया है।

'कांवड़ यात्रा केवल पैदल चलने की यात्रा नहीं, बल्कि मन, वचन और कर्म की पवित्रता का संकल्प है। जब व्यक्ति श्रद्धा, संयम और सकारात्मक भाव से गंगाजल लेकर भगवान शिव का अभिषेक करता है, तब उसके जीवन में नकारात्मक ऊर्जा का क्षय और सकारात्मक ऊर्जा का संचार होता है।'

सावन में कांवड़ यात्रा करने से व्यक्ति में निम्न सकारात्मक परिवर्तन आते हैं:

भगवान शिव की कृपा प्राप्त होती है।

मन की अशांति, तनाव और नकारात्मक विचार कम होते हैं।

आत्मविश्वास, धैर्य और संकल्प शक्ति बढ़ती है।

परिवार में सुख-शांति और समृद्धि का वातावरण बनता है।

सात्विक जीवनशैली अपनाने से मानसिक एवं आध्यात्मिक उन्नति होती है।

कांवड़ यात्रा के दौरान रखें ये बातें

पूरी यात्रा में सात्विक भोजन ग्रहण करें।

सत्य, संयम और अनुशासन का पालन करें।

शिव मंत्र '? नमः शिवाय' का निरंतर जाप करें।

गंगाजल का सम्मान करें और श्रद्धा से शिवलिंग पर अर्पित करें।

यात्रा के दौरान स्वच्छता और पर्यावरण संरक्षण का विशेष ध्यान रखें।

सावन मास में भगवान भोलेनाथ का आशीर्वाद कैसे प्राप्त करें?

सावन मास भगवान शिव की आराधना के लिए सबसे पवित्र महीना माना जाता है। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार इस माह में श्रद्धा, संयम और सच्ची भक्ति से की गई पूजा भगवान भोलेनाथ को शीघ्र प्रसन्न करती है।

वास्तु गुरु राणा सिकंदर के अनुसार

वास्तु गुरु राणा सिकंदर का कहना है कि भगवान शिव का आशीर्वाद पाने के लिए केवल पूजा-पाठ ही नहीं, बल्कि मन की पवित्रता और सकारात्मक जीवनशैली भी आवश्यक है। उनके अनुसार सावन में इन बातों का पालन करना शुभ माना जाता है—

प्रातः स्नान कर शिवलिंग पर गंगाजल, दूध और स्वच्छ जल से अभिषेक करें।

'? नमः शिवाय' मंत्र का कम से कम 108 बार जाप करें।

बेलपत्र, धतूरा, आक के फूल, सफेद चंदन और भस्म अर्पित करें।

सोमवार का व्रत श्रद्धा और नियमपूर्वक रखें।

क्रोध, झूठ, नशा और नकारात्मक विचारों से दूर रहें।

जरूरतमंदों की सेवा करें तथा गौ, पक्षियों और गरीबों को भोजन कराएं।

घर और कार्यस्थल को स्वच्छ एवं सकारात्मक रखें, जिससे शुभ ऊर्जा का संचार बना रहे।

रुद्राभिषेक या महामृत्युंजय मंत्र का जाप विशेष फलदायी माना जाता है।

आध्यात्मिक संदेश

वास्तु गुरु राणा सिकंदर के अनुसार, 'भगवान भोलेनाथ को प्रसन्न करने का सबसे सरल उपाय है सच्ची श्रद्धा, विनम्रता, सेवा भाव और सकारात्मक सोच। जब व्यक्ति अपने कर्मों को पवित्र बनाता है, तभी शिव की कृपा उसके जीवन में सुख, शांति, स्वास्थ्य और समृद्धि का मार्ग प्रशस्त करती है।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक - **करण सिंह होरा** द्वारा आसमां पब्लिशर्स इंडिया प्राइवेट लिमिटेड. जयस्तंभ चौक रायपुर, जिला-रायपुर (छत्तीसगढ़) से मुद्रित कर लक्ष्मी निवास नल घर चौक, अहमद जी भाई कालोनी रायपुर, जिला रायपुर (छत्तीसगढ़) पिन-492001 से प्रकाशित. **संपादक- करन सिंह होरा** मो. - 9669000000 CHHBIL/2023/88684